www.sanjanabharati.com

दिल्ली और गौतम बुद्ध नगर से प्रकाशित। हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड व उत्तराखंड में प्रसारित

facebook.com/Sanjanabharati

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

संजना भारती

RNI No. : DELHIN/2016/70240

आपका भरोसा, हमारी ताकत

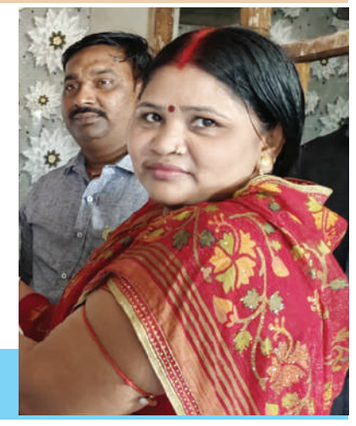

2 वक्फ संशोधन कानून के खिलाफ भड़काई... 3 इम्युनिटी बढ़ाने के लिए अपनी डाइट में शामिल करें... 4 सांसद एवं विधायक को किया गया सम्मानित

वर्ष: 9 | अंक: 171 | दिल्ली, बुधवार, 16 अप्रैल 2025 | पृष्ठ संख्या: 4 | मूल्य: 1 रुपया

संक्षिप्त समाचार

अयोध्या में राम मंदिर को बम से उड़ाने की धमकी, जांच में जुटीं एजेंसियां

अयोध्या (एजेन्सी)। अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण की देखरेख कर रहे श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को ईमेल के जरिए बम की धमकी मिली, जिसके बाद सुरक्षा अलर्ट जारी कर दिया गया। अधिकारियों ने एक एफआईआर दर्ज की है और गुमनाम धमकी के मामले की जांच शुरू कर दी है, जिससे मंदिर परिसर और उसके कर्मचारियों की सुरक्षा को लेकर चिंताएँ बढ़ गई हैं। इसको लेकर मंदिर और उसके आसपास के इलाकों में सुरक्षा उपाय बढ़ा दिए गए हैं। जानकारी के अनुसार अयोध्या के साथ-साथ बाराबंकी चंदौली समेत कई अन्य जिलों के जिलाधिकारियों को भी धमकी भरा मेल आया है। इन सभी ई-मेल्स की साइबर सेल जांच कर रही है। इससे पहले अयोध्या स्थित श्री राम जन्मभूमि मंदिर में सुबह कलश पूजन किया गया और मंदिर के मुख्य शीर्ष पर कलश स्थापित किया गया। निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने संकेत दिया कि राम मंदिर का निर्माण छह महीने में और करीब चार किलोमीटर की सुरक्षा दीवार बनाने का काम 18 महीने में पूरा होने की उम्मीद है। उन्होंने बताया कि इंजीनियर्स इंडिया लिमिटेड राम मंदिर के लिए सुरक्षा दीवार का निर्माण करेगी। दीवार की ऊंचाई, मोटाई, डिजाइन आदि के संबंध में निर्णय ले लिया गया है और मिट्टी की जांच के बाद निर्माण शुरू होगा।

'लातों के भूत, बातों से नहीं मानेंगे' : योगी आदित्यनाथ

उत्तर प्रदेश (एजेन्सी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को पश्चिम बंगाल में हुई हालिया हिंसा पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की। इस मुद्दे पर सीधे तौर पर बोलते हुए सीएम योगी ने कहा कि हिंसा से ग्रस्त लोग बातचीत से नहीं समझेंगे। उन्हें केवल लाठी से ही होश आएगा (लातों के भूत, बातों से नहीं मानेंगे)। अगर कोई बांग्लादेश से इतना प्यार करता है, तो वह वहां जाने के लिए स्वतंत्र है। योगी ने कहा कि बंगाल जल रहा है। राज्य की मुख्यमंत्री चुप हैं। वे दंगाइयों को शांतिदूत कहती हैं। लातों के भूत बातों से कहां मनवाने वाले हैं? लेकिन धर्मनिरपेक्षता के नाम पर इन लोगों ने दंगाइयों को दंगे करने की पूरी छूट दे रखी है। योगी ने कहा कि पूरा मुर्शिदाबाद पिछले एक हफ्ते से जल रहा है। लेकिन सरकार चुप है। ऐसी अराजकता पर लगाम लगनी चाहिए। पश्चिम बंगाल में हुई हिंसा पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि सब चुप हैं। मुर्शिदाबाद दंगों पर कांग्रेस चुप है। समाजवादी पार्टी चुप है। टीएमसी चुप है। वे धमकियाँ दे रहे हैं। वे बेशर्मी से बांग्लादेश में जो हुआ उसका समर्थन कर रहे हैं। अगर उन्हें बांग्लादेश पसंद है, तो उन्हें वहाँ चले जाना चाहिए। वे भारत की धरती पर बोझ क्यों बन रहे हैं? इससे पहले योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में वक्फ अधिनियम को लेकर हुई हिंसा के दौरान हिंदुओं को उनके घरों से घसीटकर मार डाला गया।

किसी भी समुदाय को नहीं बनाया जा रहा निशाना : किरेन रिजिजू

नई दिल्ली (एजेन्सी)। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू केरल के कोच्चि में दावा किया कि वक्फ कानून में संशोधन मुस्लिम समुदाय को निशाना बनाकर नहीं किया गया, यह अतीत की गलतियों को सुधारने के लिए है। उन्होंने कहा कि अब से वक्फ संपत्ति की मनमानी घोषणा नहीं होगी, जैसा मुनंबम में हुआ था। उन्होंने कहा कि मैं यहाँ एक महत्वपूर्ण और संवेदनशील मुद्दे पर आया हूँ; जमीन हमारे लिए सबसे कीमती चीज है। अगर आप अपनी जमीन खो देते हैं, तो आप अपना सब कुछ खो देते हैं। इसलिए हमने सोचा है कि भारत में ऐसा कोई प्रावधान नहीं होना चाहिए कि कोई किसी की जमीन जबरदस्ती और एकतरफा तरीके से छीन ले। किरेन रिजिजू ने साफ तौर पर कहा कि हमें जमीन के हर इंच को उसके असली मालिक तक पहुँचाने के लिए कानून बनाने होंगे। उन्होंने कहा कि हमने इस कानून में संशोधन किया है क्योंकि पहले वक्फ को अभूतपूर्व अधिकार दिए गए थे।

19 अप्रैल से दौड़ेगी कटरा से श्रीनगर तक वंदे भारत एक्सप्रेस!

नई दिल्ली (एजेन्सी)। वंदे भारत ट्रेन 136 रूटों पर चल रही है। लेकिन इस हफ़्ते शुरू होने वाली ट्रेन न सिर्फ.अलग होगी, बल्कि खास भी होगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को कश्मीर के लिए वंदे भारत चेयर कार का उद्घाटन करेंगे, जो कटरा और श्रीनगर के बीच की दूरी सिर्फ.तीन घंटे में तय करेगी। कटरा-संगलदान रेल लाइन पर आज वंदे भारत रेलगाड़ी का ट्रायल रन किया गया। यह 272 किलोमीटर लंबी परियोजना है। इस खंड में प्रतिष्ठित चिनाब रेलवे ब्रिज भी शामिल है, जो दुनिया का सबसे ऊंचा रेलवे आर्च ब्रिज है। यह कटरा के माध्यम से नई दिल्ली और कश्मीर के बीच सीधा रेल संपर्क स्थापित करता है। रेल मंत्रालय के एक अधिकारी ने बताया कि कटरा और श्रीनगर के बीच सड़क मार्ग से यात्रा में लगभग छह से सात घंटे लगते हैं। इस खंड में प्रतिष्ठित चिनाब रेलवे ब्रिज भी शामिल है, जो दुनिया का सबसे ऊंचा रेलवे आर्च ब्रिज है। 19 अप्रैल को दो वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनें भी शुरू की जाएंगी। एक वंदे भारत ट्रेन श्रीनगर से चलेगी, जबकि दूसरी कटरा से श्रीनगर तक चलेगी।

दिल्ली विधानसभा प्रतिनिधिमंडल ने ओडिशा राज्यपाल, विधानसभा अध्यक्ष और सीएम से की शिष्टाचार भेंट

संजना भारती संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता और उनके साथ गए प्रतिनिधि मंडल तीन दिवसीय ओडिशा दौरे पर हैं। श्री विजेंद्र गुप्ता और साथ गए प्रतिनिधि मंडल ने ओडिशा के राज्यपाल डॉ. हरि बाबू कंभमपति, विधानसभा अध्यक्ष श्रीमति सुरमा पाढ़ी और मुख्यमंत्री श्री मोहन चरन मांझी से शिष्टाचार भेंट की। दिल्ली विधानसभा प्रतिनिधि मंडल में विधानसभा उपाध्यक्ष मोहन सिंह बिष्ट, दिल्ली विधानसभा के वरिष्ठ अधिकारीगण और ई विधान परियोजना से जुड़े वरिष्ठ अधिकारीगण शामिल हैं।

श्री विजेंद्र गुप्ता ने सुरमा पाढ़ी से मुलाकात कर दिल्ली विधानसभा को पेपरलेस बनाने संबंधी योजना पर विस्तृत चर्चा की। ई-विधान मॉडल के क्रियान्वयन पर हुई इस चर्चा में श्रीमति सुरमा पाढ़ी ने कहा कि दिल्ली विधानसभा को कागजमुक्त बनाने के प्रयासों में ओडिशा विधानसभा हर संभव मदद करेगी। श्रीमति पाढ़ी ने हाल ही में ई-विधान लागू करने वाली ओडिशा विधानसभा के अनुभवों को भी साझा किया। श्री गुप्ता ने दिल्ली विधानसभा को पूर्णतः सौर ऊर्जा संचालित करने संबंधी योजना को डॉ. हरि बाबू कंभमपति से साझा किया। उन्होंने बताया कि योजना के पूर्ण होने से दिल्ली विधानसभा जल्द ही 550 किलोवॉट सौर ऊर्जा का उत्पादन करेगी। इस प्रयास से दिल्ली विधानसभा प्रतिमाह 15 लाख रुपए बिजली व्यय की बचत करेगी।

डॉ. कंभमपति ने दिल्ली विधानसभा के प्रौद्योगिकी और पर्यावरण दोनों को साथ लेकर चलने के प्रयासों की सराहना की। श्री कंभमपति ने कहा कि वे भी दिल्ली विधानसभा की तर्ज पर राजभवन में सौर ऊर्जा प्रणाली को अपनाएंगे। उन्होंने कहा कि निश्चित ही दिल्ली विधानसभा को इसके दूरगामी लाभ होंगे। दिल्ली विधानसभा के इन प्रयासों से देश की अन्य विधानसभाएं भी प्रेरित होंगी। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरन मांझी ने प्रतिनिधि मंडल से भेंट की। मुख्यमंत्री ने ओडिशा विधानसभा में डिजिटल अटेंडेंस प्रणाली के उपयोग और उसके महत्व के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि सदन में माननीय सदस्य डैशबोर्ड पर स्वयं अपनी उपस्थिति दर्ज कर सकते हैं। इसके अलावा विधानसभा के सारी कार्रवाई डैशबोर्ड पर विस्तृत और क्रमबद्ध रूप से आ जाती है। मुख्यमंत्री ने बताया कि इस तकनीक के उपयोग से किसी प्रकार के कागज के इस्तेमाल की कोई आवश्यकता नहीं होती। पेपरलेस विधानसभा के क्रियान्वयन में यह तकनीक महत्वपूर्ण सिद्ध हुई है।

दिल्ली विधानसभा प्रतिनिधिमंडल अपने तीन दिवसीय अध्ययन दौरे पर ओडिशा विधानसभा द्वारा ई विधान लागू करने के उनके प्रयासों और अनुभवों को जानेगा। यह अध्ययन दौरा दिल्ली विधानसभा द्वारा ई-विधान परियोजना के क्रियान्वयन में लाभकारी सिद्ध होगा।

असामान्य रूप से फीस बढ़ाने वाले निजी स्कूलों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी: रेखा गुप्ता

(एजेन्सी)।

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मंगलवार को कहा कि असामान्य रूप से फीस बढ़ाने वाले निजी स्कूलों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि किसी भी स्कूल को अभिभावकों और बच्चों को परेशान करने का कोई अधिकार नहीं है।

अभिभावकों की शिकायतों का जवाब देते हुए गुप्ता ने कहा कि उनकी सरकार अनुचित वृद्धि के आरोपी स्कूलों को नोटिस भेज रही है। उन्होंने कहा कि अभिभावक अपनी शिकायतों के साथ मुझसे मिल रहे हैं। यह पक्का है। किसी भी स्कूल को अभिभावकों और बच्चों को परेशान करने का कोई अधिकार नहीं है। उन्हें

बच्चों को धमकाने और असामान्य रूप से फीस बढ़ाने का कोई अधिकार नहीं है। रेखा गुप्ता ने कहा कि फीस वृद्धि के लिए नियम और कानून हैं जिनका पालन किया जाना चाहिए। अगर कोई स्कूल इन सब में लिप्त पाया जाता है, तो उसे भुगतना होगा। उन्होंने कहा कि हम आज उन सभी स्कूलों को नोटिस जारी करेंगे जिनके बारे में हमें शिकायतें मिली हैं। यह मुद्दा तब सामने आया जब द्वारका में एक निजी स्कूल के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे अभिभावकों ने आरोप लगाया कि उनके बच्चों को लगभग 25 दिनों तक लाइब्रेरी में ही बंद रखा गया है, जिसे उन्होंने "लाइब्रेरी अरेस्ट" कहा है। एक अभिभावक ने दावा किया कि 20 मार्च से स्कूल प्रबंधन छात्रों को स्कूल के समय लाइब्रेरी में ही रोके हुए है। दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने पुष्टि की कि फीस बढ़ोतरी के बारे में बार-बार शिकायतें मिलने के बाद एक निरीक्षण दल ने द्वारका के स्कूल का दौरा किया। उन्होंने कहा कि शहर भर के उप-विभागीय मजिस्ट्रेट (एसडीएम) को स्कूलों का निरीक्षण करने और विनियामक अनुपालन का आकलन करने के लिए डिजाइन किए गए 18-सूत्रीय प्रश्नावली के जवाब एकत्र करने का निर्देश दिया गया है।

सूद ने कहा, "इस मामले को देखने के लिए शिक्षा के उप निदेशक और लेखा निदेशक की एक समिति भी बनाई गई है।" उन्होंने कहा कि अभिभावकों के लिए फीस बढ़ोतरी के बारे में शिकायत दर्ज करने के लिए एक समर्पित ईमेल आईडी शुरू की गई है।

आईएमडी ने इस साल सामान्य से अधिक बारिश की भविष्यवाणी की

नई दिल्ली (एजेन्सी)। मौसम विभाग का अनुमान है कि 2025 में भारत में सामान्य से अधिक मानसूनी बारिश हो सकती है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने मौसमी वर्षा के दीर्घावधि औसत के 105% रहने का अनुमान लगाया है। अधिकारियों ने मंगलवार को घोषणा की कि यह अनुमान 5% के मॉडल त्रुटि मार्जिन के साथ है। दक्षिण-पश्चिम मानसून आमतौर पर 1 जून के आसपास केरल में आगे बढ़ना शुरू करता है और सितंबर के मध्य तक वापस चला जाता है। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय ने कहा कि अनुमानित औसत से अधिक बारिश कृषि क्षेत्र को बहुत जरूरी बढ़ावा दे सकती है।

प्रधानमंत्री मोदी ने अंबेडकर जयंती पर यमुनानगर व हिसार को दी विकास की ऐतिहासिक सौगात: कृष्ण लाल पंवार

'2047 तक विकसित भारत के संकल्प में हरियाणा का भी होगा अहम योगदान'

संजना भारती संवाददाता

चंडीगढ़। हरियाणा के विकास एवं पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने कहा कि भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती पर प्रधानमंत्री मोदी ने यमुनानगर और हिसार में कई बड़ी परियोजनाओं की नींव रखकर प्रदेश को एक कदम ओर आगे बढ़ाने में अहम योगदान दिया है। विकास एवं पंचायत मंत्री श्री कृष्ण लाल पंवार ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का आभार प्रकट करते हुए कहा कि मोदी जी का यह दौरा हरियाणा के लिए ऐतिहासिक रहा है।

पंचायत मंत्री ने कहा कि यमुनानगर में दीनबंधु छोटूराम थर्मल पावर प्लांट, पंचवटी योजना और सिंचाई से जुड़े कार्य हों या हिसार में एयरपोर्ट व एम्स जैसी बड़ी परियोजनाएं हों, ये सब योजनाएं प्रधानमंत्री के हरियाणा के प्रति विशेष लगाव और दूरदर्शी नेतृत्व का प्रमाण हैं। उन्होंने कहा यह केवल योजनाओं का एलान नहीं,

बल्कि हरियाणा को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने का रोडमैप है, जिसका हर वर्ग को सीधा लाभ मिलेगा।

उन्होंने कहा कि गरीब, किसान, नौजवान और नारी शक्ति, इन चारों स्तंभों को सशक्त करने के लिए ट्रिपल इंजन सरकार निरंतर काम कर रही है और प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के प्रयासों से हरियाणा जरूर विकसित होगा। उन्होंने कहा कि राज्य के लोग प्रधानमंत्री के दौरे को लेकर बहुत उत्साहित थे। यह जनता का सच्चा समर्थन था जिन्होंने प्रधानमंत्री के हरियाणा दौरे को सफल बनाया। उन्होंने कहा यह नजारा दिखाता है कि जनता सिर्फ दर्शक नहीं, बल्कि देश के विकास की सहभागी बन चुकी है। मोदी जी के नेतृत्व में जो भरोसा और आशा जगी है, उसे हरियाणा की जनता ने अपने उत्साह से साबित कर दिया। पंचायत मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट बनाने के संकल्प में मुख्यमंत्री श्री नायाब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा पूर्ण सहभागिता निभाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। इस संकल्प सिद्धि में हरियाणा देश के साथ कदम से कदम और कंधे से कंधा मिलाकर चलेगा और विकसित भारत के मानचित्र पर विकसित हरियाणा की भी तस्वीर होगी।

तीन वर्षों में पंजाब सरकार ने सरकारी स्कूलों की नुहार बदली: कैबिनेट मंत्री तरुनप्रीत सिंह सौंद

संजना भारती संवाददाता

चंडीगढ़/खन्ना। कैबिनेट मंत्री और खन्ना के विधायक तरुनप्रीत सिंह सौंद ने क्षेत्र खन्ना के 4 अन्य सरकारी स्कूलों के बुनियादी ढांचे की विकास परियोजनाओं के उद्घाटन के मौके पर कहा कि तीन वर्षों में मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान की अगुवाई वाली पंजाब सरकार ने राज्य के सरकारी स्कूलों की नुहार बदल दी, जबकि पिछली सरकारें 70 वर्षों में कुछ नहीं कर सकीं। उन्होंने कहा कि यदि नीयत अच्छी हो, तो सब कुछ संभव है।

ग्रामीण विकास एवं पंचायत, उद्योग एवं वाणिज्य, पूंजी निवेश प्रोत्साहन, श्रम और पर्यटन तथा सांस्कृतिक मामलों के बारे में मंत्री तरुनप्रीत सिंह सौंद ने राज्य सरकार द्वारा शुरू किए गए ह्यपंजाब शिक्षा क्रांतिह्ल कार्यक्रम के तहत मंगलवार को क्षेत्र खन्ना के चार सरकारी प्राइमरी, हाई और सीनियर सेकेंडरी स्कूलों में 34.50 लाख रुपये के बुनियादी ढांचे की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया। इससे पहले भी क्षेत्र के कई स्कूलों की

नुहार बदली जा चुकी है। उन्होंने कहा कि स्कूलों में विकास परियोजनाओं के उद्घाटन का सिलसिला जारी रहेगा।

कैबिनेट मंत्री ने जिन 4 स्कूलों में विकास कार्यों का उद्घाटन किया है, उनमें सरकारी सीनियर सेकेंडरी स्कूल बीजा में 9.65 लाख रुपये की लागत से लाइब्रेरी तैयार करवाई गई, 3 लाख रुपये की लागत से स्कूल की चारदीवारी की गई और 1.40 लाख रुपये की लागत से बच्चों के लिए बाथरूम तैयार करवाया गया है। सरकारी हाई स्कूल भुम्मदी में 11 लाख रुपये की लागत से साइंस लैब तैयार करवाई गई है। सरकारी प्राइमरी स्कूल फैजगढ़ में 6.26 लाख रुपये की लागत से कमरा तैयार करवाया गया और 1.25 लाख रुपये की लागत से प्रोजेक्टर पैनल और डेस्क लिए गए हैं। सरकारी प्राइमरी स्कूल कंमा में 1.44 लाख रुपये की लागत से स्कूल की दीवार बनाई गई और बच्चों के लिए बाथरूम पर 50 हजार रुपये खर्च किए गए हैं। सौंद ने बताया कि पंजाब में शिक्षा के मानक को ऊंचा उठाने के लिए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान की अगुवाई वाली पंजाब सरकार पूरी तरह वचनबद्ध है। यही कारण है कि तीन वर्षों में पंजाब सरकार द्वारा शिक्षा क्रांति के तहत जहां सरकारी स्कूलों पर 2000 करोड़ रुपये से अधिक खर्च किए गए हैं, वहीं बच्चों का सुनहरा भविष्य बनाने के लिए शिक्षकों को सिंगापुर, फिनलैंड जैसे देशों में ट्रेनिंग के लिए भेजा जा रहा है।

सौंद ने कहा कि देश को स्वतंत्र हुए 75 वर्ष से अधिक हो गए हैं लेकिन दिन-प्रतिदिन हमारे सरकारी स्कूलों की स्थिति खराब होती जा रही थी। आज तक किसी भी सरकार ने यह नहीं सोचा कि विद्या के ये मंदिर, जहां पढ़ाई कर-के हमारे बच्चों का भविष्य संवरना है, उसके सुधार के लिए भी कोई प्रयास किए जाएं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने सबसे पहले वादा शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र को बेहतर बनाने का किया था। जिसके तहत अब बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं के बाद अब सरकारी स्कूल भी तरक्की की राह पर नई कदम रख रहे हैं।

महाराजा अग्रसेन एयरपोर्ट के नजदीक करीब 3 हजार एकड़ में बनेगा आईएमसी

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में हुई अहम बैठक

संजना भारती संवाददाता

चंडीगढ़। हरियाणा में औद्योगिक विकास को गति देने के लिए हिसार स्थित महाराजा अग्रसेन एयरपोर्ट के नजदीक लगभग 3 हजार एकड़ में औद्योगिक मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर (आईएमसी) स्थापित किया जाएगा। इस पर लगभग 4680 करोड़ रुपये की लागत आएगी। इस आईएमसी को हरियाणा सरकार और नेशनल इंडस्ट्रियल कॉरिडोर डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (एनआईसीडीसी) के सहयोग से विकसित किया जाएगा।

यह जानकारी यहां मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में हुई एक अहम बैठक में दी गई। बैठक में नागरिक उड्डयन मंत्री श्री विपुल गोयल भी मौजूद रहे।

बैठक में मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया कि देशभर में विनिर्माण क्षेत्र में विकास को गति देने तथा व्यवस्थित और नियोजित शहरीकरण सुनिश्चित करने के लिए भारत सरकार राज्य सरकारों के साथ साझेदारी में मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी के आधार पर एकीकृत इंडस्ट्रियल कॉरिडोर विकसित कर रही है। अमृतसर-कोलकाता इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के तहत 7 राज्यों में कुल 6 शहरों में इंडस्ट्रियल टाउनशिप स्थापित की जाएगी, जिसमें हिसार में स्थापित होने वाला आईएमसी सबसे बड़ी परियोजना है, जो लगभग 3 हजार एकड़ में विकसित होगी। इस आईएमसी को दो चरणों में विकसित किया जाएगा।

बैठक में बताया गया कि इस परियोजना के विकसित होने से लगभग 32 हजार करोड़ रुपये के निवेश आने की संभावना है और 10 हजार से अधिक रोजगार के अवसर सृजित होंगे। आईएमसी में सड़क, वाटर ट्रीटमेंट प्लांट, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन प्लांट (एसटीपी) सहित सभी प्रकार की बुनियादी और आधुनिक सुविधाएं मिलेंगी। इस परियोजना के क्रियान्वयन के लिए जल्द ही इस एनआईसीडीसी तथा हरियाणा सरकार के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने संबंधित अधिकारियों को जल्द ही औपचारिक प्रक्रियाएं पूरी

करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस आईएमसी में भारत के साथ-साथ विदेशी कंपनियों से भी निवेश के लिए आकर्षित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि हिसार में चिन्हित 7200 एकड़ में से लगभग 4212 एकड़ में महाराजा अग्रसेन एयरपोर्ट है और लगभग 2988 एकड़ में आईएमसी स्थापित की जाएगी। एयरपोर्ट के नजदीक होने से उद्योगों को बहुत बड़ा लाभ मिलेगा। बैठक में बताया गया कि एनआईसीडीसी द्वारा विकसित किया जा रहा दिल्ली- मुंबई इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के तहत हरियाणा के नांगल चौधरी में लगभग 886 एकड़ पर एकीकृत मल्टी-मॉडल लॉजिस्टिक हब भी बनाया जाएगा। इस प्रकार, हरियाणा को दो इंडस्ट्रियल कॉरिडोर का बड़ा फायदा मिलने वाला है, जिससे प्रदेश में निवेश के साथ-साथ रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि विकसित भारत के विजन के तहत विकसित हरियाणा बनाने के लिए उद्योगों का विकास अति आवश्यक है। उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार ने प्रदेश में 10 आईएमटी स्थापित करने का संकल्प लिया है। संबंधित अधिकारियों को इस दिशा में कार्य करने के निर्देश दिए गए हैं।

बैठक में मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव श्री राजेश खुल्लर, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री अरुण कुमार गुप्ता, मुख्यमंत्री के अतिरिक्त प्रधान सचिव डॉ साकेत कुमार, नागरिक उड्डयन विभाग के प्रधान सचिव श्री श्यामल मिश्रा, एनआईसीडीसी के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ श्री रजत कुमार सैनी सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

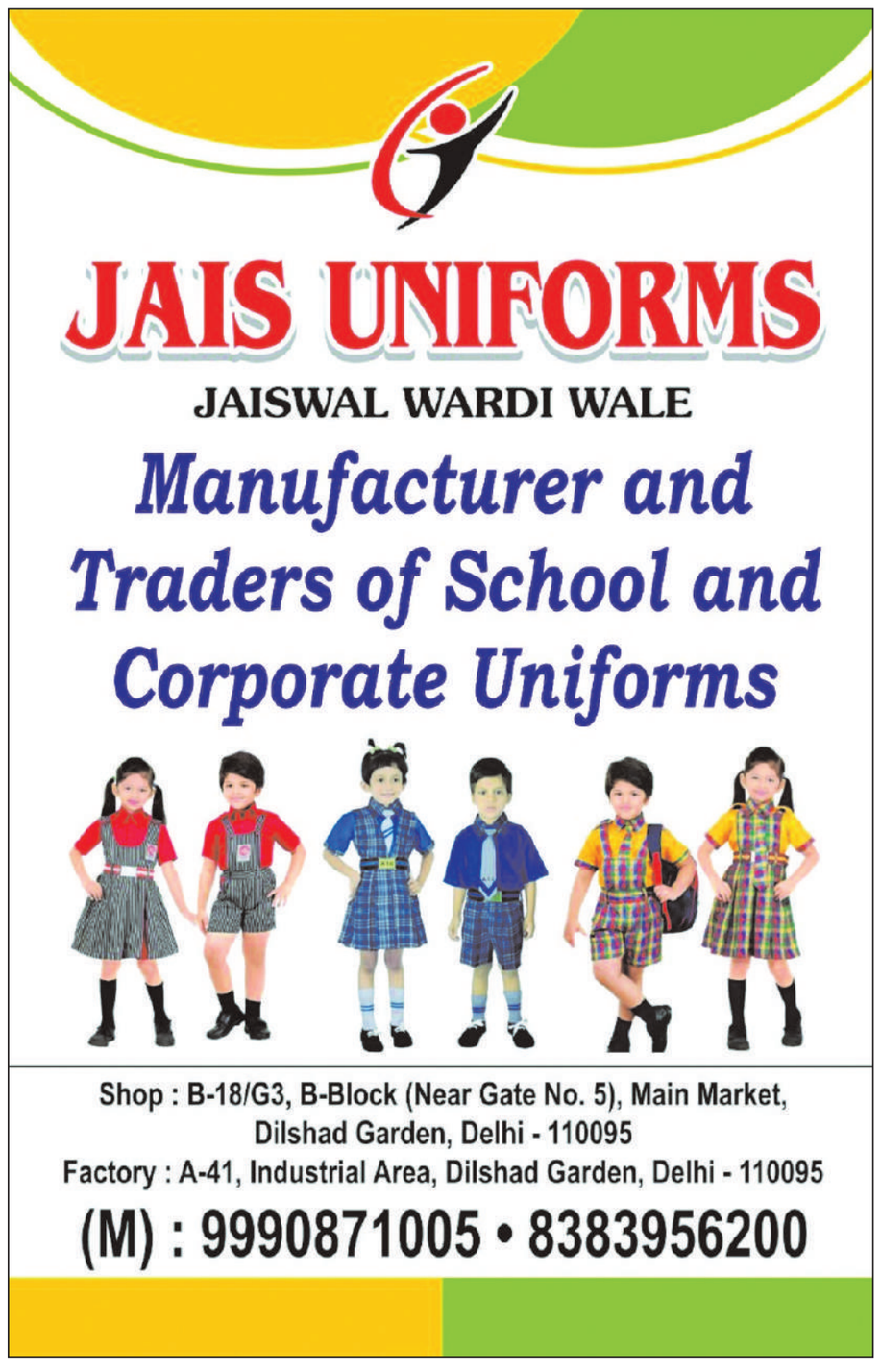

सम्पादकीय

विकास का दुश्मन 'देरी'

अमेरिकी लेखक जय एम फिनमैन की अमेरिकी बीमा कंपनियों के कामकाज को लेकर कुछ साल पहले एक पुस्तक आई थी, डिले, डिनाय, डिफेंड...अंग्रेजी के इन तीन शब्दों का अर्थ है टालना, इनकार करना और बचाव करना। इस पुस्तक में फिनमैन ने साबित किया है कि किस तरह बीमा कंपनियां दावों को टालती हैं, देने से इनकार करती हैं और फिर अपने फैसले का बचाव करती हैं। नौकरशाही से जिनका पल्ला पड़ता रहता है, उन्हें भी पता है कि नौकरशाही किस तरह फैसलों को टालती है, उनके हिसाब से योजना नहीं हुई तो उससे आगे बढ़ाने से इनकार कर देती है और आखिर में उसे अपने फैसले का बचाव करती है। इस देर और इनकार की कीमत आखिरकार जनता को चुकानी पड़ती है। अव्वल तो तय समय पर लोगों को सहूलियतें मिल ही नहीं पातीं। लेकिन जब किसी वजह से परियोजना पर काम चलता भी है, तब तक बहुत देर हो चुकी होती है, उसकी लागत खर्च बढ़ चुकी होती है। आखिरकार इसकी कीमत देश को ही चुकानी पड़ती है। लंबे समय तक गुजरात के मुख्यमंत्री रहते प्रधानमंत्री मोदी ने तंत्र की इस खामी को समझा था। सबसे पहले इस कमजोरी पर काबू पाने की उन्होंने गुजरात में कोशिश की और देश की कमान संभालने के बाद उन्होंने तंत्र से इस खामी को दूर करने की कोशिश की। प्रधानमंत्री का यह कहना कि देरी विकास का दुश्मन है और हमारी सरकार इस दुश्मन को हराने के लिए प्रतिबद्ध है, उनकी इसी सोच को जाहिर करता है। बीते दिनों एक कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने परियोजनाओं में देरी को देश के विकास की बड़ी रोड़ा बताया है। अपने संबोधन में उन्होंने स्वीकार किया परियोजनाओं में देरी से प्रगति बाधित होती है, जबकि तात्कालिक कार्रवाई से विकास को बढ़ावा मिलता है। प्रधानमंत्री ने अपने भाषण में असम के बोगीबील पुल परियोजन का उदाहरण दिया, जिसकी आधारशिला 1997 में तत्कालीन प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा ने रखी थी, बाद में सत्ता संभालते ही अटल बिहारी वाजपेयी ने इसका काम शुरू कराया। लेकिन बाद की सरकारों के दौरान पता नहीं किन वजहों से इस परियोजना का काम रोक दिया गया। जिसकी वजह से अरुणाचल प्रदेश और असम के लाखों लोगों को परेशानियां झेलनी पड़ीं। इस योजना पर दोबारा काम मोदी सरकार के आने के बाद शुरू हुआ और चार साल में यह पुल बनकर तैयार हुआ और 2018 इसे जनता के लिए खोला गया। अगर इसी हिसाब से देखें तो यह काम 2001 या अधिक से अधिक 2002 में पूरा किया जा सकता था। लेकिन ऐसा नहीं हो सका। सत्ताएं बदलते ही कई योजनाएं रोक दी जाती हैं और राजनीतिक नफा-नुकसान को देखते हुए उन्हें ठंडे बस्ते में डाल दिया जाता है। केरल की कोल्लम बाईपास सड़क परियोजना को इसके उदाहरण के रूप में रखा जा सकता है। यह योजना 1972 में शुरू होनी थी, लेकिन नहीं हुई। तकरीबन पचास साल तक यह योजना लटकी रही। यह बात और है कि इस काम को मोदी सरकार ने ही पूरा किया। प्रधानमंत्री मोदी जब भी कोई नया काम शुरू करते हैं या देश के सामने कोई लक्ष्य रखते हैं, तो वे नया नारा भी गढ़ते हैं। देरी विकास का दुश्मन है इस कड़ी में नया नारा है। देश में ऐसी कई परियोजनाएं मिल जाएंगी, जिन्हें तय वक्त तक पूरा नहीं किया जा सका। पूर्वी उत्तर प्रदेश और बिहार को जोड़ने के लिए घाघरा नदी पर मांझी में एक पुल है। प्रसिद्ध कवि केदारनाथ सिंह ने इस पुल को केंद्र में रखकर कविता ही रच डाली है। इस पुल का शिलान्यास जनता पार्टी के शासनकाल के राज्य मंत्री चांद राम ने शुरू किया और दशकों तक इसका काम नहीं हो पाया। अरसे बाद यह पुल बनकर तैयार हो पाया। परियोजनाओं में देरी की ऐसी ढेरों कहानियां पूरे देश में फैली हुई हैं। प्रधानमंत्री ने अपने भाषण में नवी मुंबई हवाई अड्डा परियोजना का भी इसी संदर्भ में उल्लेख किया है। देश की आर्थिक राजधानी के लिए बेहतर और सुगम हवाई सेवा की जरूरत से किसे इनकार हो सकता है। लेकिन नवी मुंबई में हवाई अड्डा बनाने की चर्चा साल 1997 में शुरू हुई। लेकिन उस परियोजना को ठीक दस साल बाद यानी 2007 में मंजूरी मिल पाई। लेकिन राजनीति और नौकरशाही से कोलाज वाले तंत्र की वजह से इस परियोजना पर ठोस रूप में काम नहीं हो पाया। प्रधानमंत्री ने सीधे-सीधे इसके लिए इस दौरान केंद्र और महाराष्ट्र में काबिज रही कांग्रेस सरकारों को जिम्मेदार ठहराया। प्रधानमंत्री के अनुसार, कांग्रेस की सरकारों ने इस परियोजना में ना तो दिलचस्पी दिखाई, ना ही कोई कार्रवाई नहीं की। यह बात और है कि मोदी सरकार ने इस परियोजना के कामकाज में तेजी लाने की दिशा आगे बढ़ी है। उम्मीद की जा रही है कि जिस तरह दूसरी योजनाएं तेज गति से तय वक्त या उससे पहले पूरी हुई, उसी गति और तेजी से नवी मुंबई हवाई अड्डा परियोजना भी पूरा होगी। देश के आर्थिक विकास की नींव नरसिंह राव ने साल 1991 में रखी थी, जिनके सहयोग से तत्कालीन वित्त मंत्री मनमोहन सिंह ने उदारीकरण की गति को तेज किया था। देश की आर्थिकी को लाइसेंस राज और लालफीताशाही से दूर किया था। उस बदलाव का असर भी दिखा। लेकिन राजकाज की कमान जिस तंत्र के हाथों में रही, वह पुरानी मानसिकता से ग्रस्त रहा। प्रधानमंत्री मोदी के सत्ता संभालने के बाद इस मानसिकता को थोड़ी लगाम जरूर लगी है। यह बात और है कि इस मोर्चे पर अभी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। देरी, विकास का दुश्मन है के प्रधानमंत्री के नए मंत्र का भी असर कहा जाएगा कि आर्थिक मोर्चे पर तय लक्ष्यों को हासिल करना आसान हुआ। आर्थिक मोर्चे पर बदलाव का ही असर है कि कुछ ही वर्षों में दुनिया की 11वें नंबर से भारतीय अर्थव्यवस्था पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था बन गई है। दुनियाभर की विकास दर को कोरोना की महामारी ने बुरी तरह प्रभावित किया। आज की दुनिया के विकास का ईंधन एक तरह से जैविक ऊर्जा यानी पेट्रोल और डीजल है। अरब देशों के आपसी संघर्ष और रूस-यूक्रेन युद्ध के बावजूद भारत को पेट्रोलियम आपूर्ति में बाधा न पड़ना, चीन और अमेरिका के बीच जारी व्यापार युद्ध के बावजूद भारत की विकास दर में कमी ना आना, एक तरह के भारत के संकल्प का नतीजा है। बेशक इसके लिए राजनीतिक नेतृत्व जिम्मेदार है, लेकिन प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में इसका श्रेय युवाओं को दिया। उन्होंने कहा कि यह अभूतपूर्व बदोतरी युवाओं की महत्वाकांक्षाओं और आकांक्षाओं से प्रेरित है। इससे दुनिया का भारत के प्रति नजरिया बदला है। पहले दुनिया मानती थी कि भारत धीरे-धीरे और लगातार प्रगति करेगा, उसी दुनिया को भारत अलग नजर आ रहा है। प्रधानमंत्री के शब्दों में कहें तो दुनिया अब देश को तेज और निडर भारत के रूप में देख रही है। परियोजनाओं में देरी को विकास के दुश्मन के तौर पर प्रधानमंत्री का स्थापित करना एक तरह से राष्ट्रीय महत्वाकांक्षाओं और आकांक्षाओं को संबोधित करना है। विश्व गुरू बनने की आकांक्षा हो या आर्थिक या दूसरी तरह वैश्विक महाशक्ति बनना, इन लक्ष्यों को हासिल करने के लिए इसी सोच को हर स्तर पर ना सिर्फ आगे बढ़ाना होगा, बल्कि इसे राष्ट्रीय प्राथमिकता के तौर पर भी विकसित किया जाना होगा। सबको पता है कि कई बार राजनीतिक कारणों से पहले की सरकारी की लाई या उनके द्वारा शुरू या जारी की गई योजनाएं लटका दी जाती हैं। लेकिन इसका एक दूसरा पक्ष भी है। कई बार नौकरशाही भी इस डिले, डिनाय और डिस्ट्राय यानी टालना, इनकार करना और खारिज करने के लिए जिम्मेदार होती है। आजादी के पचहत्तर साल बीतने के बावजूद नौकरशाही में यह मानसिकता बनी हुई है। अब भी तंत्र ऐसे ढेर सारे तत्व है, जो योजनाओं को लटकाने और टालने में भरपूर रूचि लेते हैं। एक तरह से ऐसी सोच वाला डीएनए तंत्र में फैला हुआ है। सरकारी तंत्र से जिनका रोजाना पल्ला पड़ता है, अक्सर वे भी फिनमैन जैसी ही सोच रखते हैं। आर्थिक मोर्चे पर भारत की सफलता दर अगर बढ़ी है तो उसके पीछे निश्चित तौर पर प्रधानमंत्री की दृष्टि है।

संजना भारती दैनिक

भगवान शंकर जी के 11वें रुद्रावतार हनुमान जी (मेंहदीपुर, श्री बाला जी) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में श्रद्धापूर्वक समर्पित है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक-संजय कुमार द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-41, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित तथा ए-281सी, गली नं. 3, ए-ब्लॉक, अम्बिका विहार, शिव विहार, दिल्ली-110094 से प्रकाशित। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी।

RNI No. : DELHIN/2016/70240

Phone No.: 9871221635

E-mail ID: sanjanabharati16@gmail.com

(किसी भी वाद-विवाद में न्याय क्षेत्र दिल्ली ही होगा।)

वक्फ संशोधन कानून के खिलाफ भड़काई गई सुनियोजित हिंसा से यदि नहीं चेते तो अंजाम और भी बुरे होंगे!

पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में वक्फ कानून के विरोध में 10 अप्रैल से हिंसा जारी है जो अब थम चुकी है। बता दें कि केंद्र सरकार के वक्फ (संशोधन) अधिनियम को लेकर भड़की हिंसा में प्रदर्शनकारियों ने पुलिस वाहनों को आग लगा दी, सड़कें जाम कर दीं और रेलवे संपत्ति को नुकसान पहुंचाया है। चूँकि बंगाल में चुनावों के लिए अभी 1 साल से ज्यादा का समय बाकी है, ऐसे में ये दंगों की खबरों से सियासी लोग भी खासे परेशान हैं

-कमलेश पाण्डेय

वक्फ संशोधन कानून के खिलाफ पश्चिम बंगाल में भड़काई गई सुनियोजित हिंसा से यदि हमारा प्रशासन समय रहते ही नहीं चेता तो आने वाले दिनों में अंजाम और भी बुरे होंगे, इतिहास इसी बात की चुगली कर रहा है! यह नसीहत क्रूर वक्त हमें बार-बार दे रहा है, लेकिन हमलोग ऐसे घिसे पिटे आदर्शवादी हैं कि उसे समझने के लिए तैयार ही नहीं हैं। इसलिए आज मैं इतिहास की अंगड़ाई में सुलगते हुए वर्तमान के कुछ कटु सत्य को उद्घाटित कर रहा हूँ ताकि हमारे राजनेताओं और प्रशासनिक अधिकारियों की कुम्भकर्णी निंद्रा टूटे और वो विधि-व्यवस्था के लिहाज से अपने मौलिक कर्तव्य न भूलें।

इस बात में कोई दो राय नहीं कि भारत एक शांतिप्रिय देश रहा है, लेकिन पहले मुस्लिम आक्रान्ताओं ने और फिर ब्रिटिश नौकरशाहों ने अपने-अपने प्रशासनिक स्वार्थ की प्रतिपूर्ति के लिए ऐसी-ऐसी अव्यवहारिक नीतियों को कानूनी अमली जामा पहनाया, जिससे हिन्दू समाज जाति और क्षेत्र के नाम पर बिखर गया और कभी मुस्लिम अधिकारी तो कभी ईसाई अधिकारी और उनके पिट्ठू लोग हिन्दुओं पर हावी होते चले गए। इसी कड़ी में सांप्रदायिक, जातीय और क्षेत्रीय हिंसा को अघोषित प्रशासनिक एजेंडे के तौर पर बढ़ावा दिया गया। इसके अलावा, कभी प्रशासनिक उदासीनता तो कभी पक्षपाती दृष्टिकोण अपनाते हुए संगठित अपराध को बढ़ावा दिया गया, जिससे विधि व्यवस्था की स्थिति दिन-प्रतिदिन बिगड़ती चली गई।

इसी स्थिति से निजात पाने के लिए देश में आजादी की लड़ाई तेज हुई और साम्प्रदायिक विभाजन तक की नौबत आई। इस दौरान हिन्दू-मुस्लिम दंगे भी खूब हुए। लेकिन भारत के गाँधी-नेहरु जैसे अव्यवहारिक आदर्शवादी राजनेताओं ने आजाद भारत में हालत बदलने के उलट उन्हीं घिसे-पिटे कानूनों को भारतीयों पर थोप दिया, जो आज तक अशांति का सबब बन चुकी हैं। पहले कांग्रेसियों, फिर समाजवादियों और अब राष्ट्रवादियों ने ढोंगी धर्मनिरपेक्षता की तो खूब बातें कीं, लेकिन अपने कुत्सित जातीय, क्षेत्रीय और सांप्रदायिक एजेंडे से आगे की कभी नहीं सोच पाए।

मसलन, बहुमत की आड़ में शांतिप्रिय सत्ता परिवर्तन भी सुनिश्चित हुआ, लेकिन विधायिका, कार्यपालिका, न्यायपालिका, खबरपालिका और समाजपालिका से जुड़े लोग मुगलिया और ब्रितानी प्रशासनिक लापरवाहियों से कोई सबक नहीं सीख पाए। सबों ने उस निर्जीव भारतीय संविधान का महिमा मंडन किया और कर रहे हैं जिसने पदासीन लोगों को वेतन-भत्ते-पेंशन और देशवासियों से लूट-खसोट की तो गारंटी दी, लेकिन आमलोगों के सुख-शांति में खलल डालने वालों के खिलाफ कभी सख्ती नहीं दिखाई। इस नजरिए से संसद और विधान मंडलों ने प्रभावकारी कानून नहीं बनाए और न ही न्यायपालिका ने इस प्रशासनिक प्रवृति पर कभी सवाल उठाए। हद तो यह कि न्याय के नाम पर मामलों को वर्षों तक लटकाने वाली न्यायपालिका, नेताओं के इशारों पर उलटे-सीधे कार्य करने की अभ्यस्त हो चली कार्यपालिका और नेताओं-कारोबारियों की अघोषित सांठगांठ से जहाँ सत्ताधारी जमात मौज में रहता आया है, वहीं आम आदमी सुपोषण योग्य भोजन, अच्छी शिक्षा और चिकित्सा सुविधा, जन-सुरक्षा के लिए मोहताज है। एक ओर देश के अमनपसंद आमलोग जहाँ रोटी, कपड़ा और मकान, शिक्षा, स्वास्थ्य तथा सम्मान की प्राप्ति के लिए आरक्षण को अचूक हथियार समझ बैठे हैं, वहीं दूसरी ओर 1947 में पाकिस्तान और 1972 में बंगलादेश लेने वालों के वंशज ब्रेक के बाद भारतीय भूभाग पर सांप्रदायिक तांडव मचा रहे हैं और नेताओं की नीतिगत लापरवाहियों से हमारा सिविल और पुलिस प्रशासन असहाय बना रहता है।

हैरत की बात है कि कभी ये लोग दलित-मुस्लिम समीकरण तैयार करवाते हैं तो कभी मुस्लिम-ओबीसी समीकरण को फंडिंग करवाते हैं। वहीं इसी की आड़ में अभिजात्य मुसलमान विदेशों से हवाला के जरिए फंडिंग लेकर देश में पाकिस्तान-बांग्लादेश के ही नहीं बल्कि अरब देशों के हमदर्द पैदा करते हैं। इनकी नापाक मंशा जम्मू-कश्मीर, पश्चिम बंगाल और केरल जैसे हालत पूरे देश में पैदा करने की है, जिसकी झलक गाहे-बगाहे दिखाते रहते हैं। यदि गुलाम भारत से लेकर आजाद भारत तक के ब्रेक के बाद होने वाले सांप्रदायिक दंगों की बात छोड़ भी दी जाए तो अयोध्या रामजन्म भूमि आंदोलन, फिर सीएए और अब वक्फ कानून की आड़ में पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के इशारे पर या फिर चीन-अमेरिका-इंग्लैंड से शह प्राप्त अन्य मुस्लिम देशों के इशारे पर भारत में जो अशांति फैलाते हैं, इसका ताजातरीन उदाहरण पश्चिम बंगाल का मुर्शिदाबाद इलाका है, जो इन दिनों इस्लामिक उत्पात से जल रहा है।

दरअसल वक्फ कानून में संशोधन के विरोध में पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में जो हिंसा भड़क उठी है, उससे केंद्र सरकार ने अन्य राज्यों में भी ऐसी घटनाओं की आशंका जताई है। इसके दृष्टिगत वह लगातार सतर्कता बरत रही है। यह बात दीगर है कि अभी तक अन्य राज्यों से किसी अप्रिय घटना की खबर नहीं है। केंद्र सरकार के मुताबिक, वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 की अधिसूचना के मद्देनजर अभी तक अन्य राज्यों या केंद्र शासित प्रदेशों से किसी भी सांप्रदायिक स्थिति की कोई रिपोर्ट नहीं मिली है। हालांकि, केंद्रीय गृह मंत्रालय कोई जोखिम नहीं उठा रहा है। केंद्र बंगाल के साथ-साथ अन्य राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में स्थिति पर कड़ी नजर रख रहा है, जहां वक्फ कानून विरोधी प्रदर्शनों की खबरें आई हैं। इसका उद्देश्य सांप्रदायिक हिंसा को बढ़ावा देने वाले किसी भी कारक की पहचान करना और संबंधित राज्य सरकारों से संपर्क करना है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि उन्हें शुरू में ही समाप्त कर दिया जाए।

बताया जाता है कि यदि राज्यों से मांग की जाती है, तो उन्हें बिना किसी देरी के केंद्रीय बल मुहैया कराए जाएंगे, ताकि ऐसी सांप्रदायिक हिंसा को रोका जा सके। इसी उद्देश्य से मुर्शिदाबाद में भी, पश्चिम बंगाल के डीजीपी राजीव कुमार ने हिंसा प्रभावित इलाकों का दौरा किया और अदालत के निर्देश पर पर्याप्त केंद्रीय बलों की तैनाती की गई, जिससे सांप्रदायिक झड़पों पर लगाम लगी। अधिकारी ने कहा कि वहां अब कोई नई हिंसा नहीं हुई है। गत शनिवार को मुर्शिदाबाद में सांप्रदायिक झड़पों के मद्देनजर केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन ने पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव और डीजीपी के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कर स्थिति का आकलन किया। इसके साथ ही स्थिति को नियंत्रित करने के लिए उठाए जाने वाले कदमों की रूपरेखा तैयार की। दरअसल डीजीपी ने केन्द्रीय गृह सचिव को जानकारी देते हुए कहा कि स्थिति तनावपूर्ण लेकिन नियंत्रण में है और स्थानीय स्तर पर तैनात बीएसएफ कर्मियों की मदद ली जा रही है। वहीं सांप्रदायिक हिंसा में कथित रूप से शामिल होने के आरोप में शनिवार को 150 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया गया। मुर्शिदाबाद में स्थानीय स्तर पर मौजूद करीब 300 बीएसएफ कर्मियों के अलावा राज्य सरकार के अनुरोध पर पांच अतिरिक्त कंपनियां वहां भेजी गईं हैं। उल्लेखनीय है कि पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में वक्फ कानून के विरोध में हुई हिंसा में तीन लोगों की मौत हो गई और सैकड़ों घायल हुए।

जांच एजेंसियों के मुताबिक, इस हिंसा की साजिश तीन महीने पहले रची गई थी और पाकिस्तान के दोस्त तुर्कीए से फंडिंग की गई थी। हमलावरों को लूटपाट के लिए 500 रुपये दिए गए थे और साजिशकर्ताओं ने लक्ष्य दिया था कि पश्चिम बंगाल को बांग्लादेश जैसा बनाना थो यही वजह है कि वक्फ कानून के विरोध पश्चिम बंगाल में भारी हिंसा देखने को मिली। जहाँ मुर्शिदाबाद में हिंसा में 3 लोगों की मौत हुई, वहीं सैकड़ों लोग घायल हुए। आलम यह है कि कई लोगों को अपना घर छोड़कर दूसरी जगह ठिकाना लेना पड़ा है। यहाँ हिंसा को देखते हुए केंद्रीय सुरक्षा बल को तैनात करना पड़ा। इसके साथ ही हिंसा वाले इलाके में कड़ा पहरा है।

इस बीच मुर्शिदाबाद दंगा मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। भारतीय जांच एजेंसियों के सूत्रों की मानें तो इस हिंसा की प्लानिंग लंबे समय से की जा रही थी। लगभग पिछले 3 महीनों से इलाके के लोग इस घटना को अंजाम देने की योजना बना रहे थे, क्योंकि इसके लिए विदेशों से फंडिंग की गई थी। पूरे मामले की जांच के दौरान पाया गया है कि यह आतंकवाद फैलाने का नया तरीका है। दरअसल दो महीने पहले एटीबी के दो जाने-माने सदस्य मुर्शिदाबाद आए और कहा कि एक बड़ी दावत होगी। वे ट्रिगर पॉइंट का इंतजार कर रहे थे। प्रारंभ में रामनवमी की तारीख तय थी, लेकिन उस दिन कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के कारण चीजें बदल गईं। लेकिन वक्फ बिल ने ट्रिगर पॉइंट दे दिया। इन्हें ट्रेनों को बाधित करना, सरकारी संपत्ति को खत्म करना, हिंदुओं की हत्या करना, घरों को लूटना आदि पहला टारगेट दिया गया था। तब हमलावरों से कहा गया था कि जितनी ज्यादा चीजों को खराब करेंगे, उन्हें उतना ही ज्यादा पैसा दिया जाएगा। शुरू में एक सूची बनाई गई थी कि यदि वे अपने किए का ब्यौरा देंगे तो उन्हें कितना धन दिया जाएगो यही वजह है कि भूखे नगे लोगों ने दिनदहाड़े उपद्रव मचा दिया।

बता दें कि पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में वक्फ कानून के विरोध में 10 अप्रैल से हिंसा जारी है जो अब थम चुकी है। बता दें कि केंद्र सरकार के वक्फ (संशोधन) अधिनियम को लेकर भड़की हिंसा में प्रदर्शनकारियों ने पुलिस वाहनों को आग लगा दी, सड़कें जाम कर दीं और रेलवे संपत्ति को नुकसान पहुंचाया है। चूँकि बंगाल में चुनावों के लिए अभी 1 साल से ज्यादा का समय बाकी है, ऐसे में ये दंगों की खबरों से सियासी लोग भी खासे परेशान हैं।

बता दें कि वक्फ संशोधन कानून को लेकर पश्चिम बंगाल में हिंसक विरोध प्रदर्शन का केंद्र बना हुआ है। मुर्शिदाबाद में हिंसा का तांडव अभी शांत ही हुआ था कि प्रदेश के एक और जिले में हिंसा की आग फैल चुकी है। दक्षिण 24 परगना जनपद के भांगर इलाके में वक्फ संशोधन कानून को लेकर शुरू हुआ विरोध प्रदर्शन हिंसक हो गयो क्योंकि पुलिसवालों पर ही उन्मादी भीड़ ने हमला कर दिया। पुलिस वाहनों को भी आग के हवाले कर दिया गया। इस बीच वक्फ संशोधन कानून के विरोध में पश्चिम बंगाल में जारी हिंसा को लेकर इंटेलिजेंस एजेंसियों को चौंकाने वाले इनपुट मिले हैं। वह यह कि वक्फ संशोधन कानून के विरोध में फैली हिंसा का पैटर्न साल 2019 में सीएए के खिलाफ हुए हिंसक प्रदर्शनों की तरह है। मुर्शिदाबाद में हिंसा फैलाने के लिए उसी टूलकिट का इस्तेमाल किया जा रहा है, जिसका प्रयोग सीएए के खिलाफ हुए विरोध-प्रदर्शनों में किया गया था। खुफिया सूत्रों की मानें तो वक्फ विरोध प्रदर्शनों में एक समान टूलकिट है। टेलीग्राम, सिग्नल और व्हाट्सएप जैसे मैसेजिंग ऐप का इस्तेमाल विरोध प्रदर्शन आयोजित करने, जिम्मेदारी बांटने और रियल टाइम निर्देश शेयर करने के लिए किया जा रहा है।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

चेन्नई के खराब प्रदर्शन से धोनी की फिटनेस पर उठ रहे सवाल

चेन्नई सुपर किंग्स को आईपीएल की मजबूत टीम माना जाता है जिसने अब तक 5 बार यह खिताब जीता है। देश के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी इस टीम के साथ आरंभ से ही जुड़े हुए हैं। वह 43 साल के हो चुके हैं पर, अब भी खेल रहे हैं। हर बार लगता है कि यह धोनी का आखिरी साल है लेकिन उनके करोड़ों प्रशंसक उन्हें रिटायर नहीं होने दे रहे। 2025 का आईपीएल उनका आखिरी है या नहीं, यह कोई नहीं बता सकता

-आदर्श प्रकाश सिंह

आईपीएल के 18वें सत्र में अब तक खेले गए मैचों में कई बातें उभर कर आई हैं। पिछले साल की तीन मजबूत टीमें चेन्नई सुपर किंग्स, राजस्थान रॉयल्स और सनराइजर्स हैदराबाद की हालत इस बार पतली है जबकि गुजरात टाइटंस और दिल्ली कैपिटल्स का प्रदर्शन काबिलेतारीफ है। वहीं सबसे महंगे बिके विकेट कीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत अपने नाम के अनुरूप प्रदर्शन नहीं दिखा पा रहे हैं। आपको बता दें कि पंत को इस बार लखनऊ सुपर जायंट्स ने 27 करोड़ रुपये में खरीदा है। पहले बात करते हैं चेन्नई की टीम की। यह टीम अपने घर में तीन मैच हार चुकी है। इस नाते महेन्द्र सिंह धोनी की फिटनेस पर सवाल उठने लगे हैं। भारत के पूर्व कप्तान धोनी जुलाई में 44 साल के हो जाएंगे। इतनी उम्र के बावजूद वह आईपीएल में खेलना जारी रखे हुए हैं। दो साल पहले उन्होंने सीएसके की कप्तानी छोड़ दी थी। युवा रुतुराज गायकवाड़ चेन्नई के नए कप्तान बनाए गए। पर, मौजूदा सत्र के बीच चोटिल होने के कारण उन्हें कप्तानी छोड़नी पड़ी। फिर से धोनी के कंधों पर नेतृत्व का भार आन पड़ा है। मगर, उनकी कप्तानी में भी चेन्नई को शुक्रवार को कोलकाता से शर्मनाक पराजय का सामना करना पड़ा। पांच बार की चैम्पियन रही यह टीम अब तक 7 मैचों में से 5 हार चुकी है। शुरूआती एक मैच जीतने के बाद से धोनी के वर्चस्व वाली यह टीम लगातार पराजय का सामना कर रही है। धोनी की वजह से पीली जर्सी वाली चेन्नई टीम के प्रशंसक करोड़ों में हैं लेकिन अब उनमें निराशा का भाव जाग गया है। भारत के क्रिकेट इतिहास में आईपीएल की लोकप्रियता चरम पर है। हर साल गर्मियों में होने वाले इस टूनामेंट में देश की प्रतिष्ठा भले ही दांव पर न हो लेकिन खिलाड़ियों को मालामाल करने के लिए यह काफी है। आईपीएल यानी इंडियन प्रीमियर लीग देश का एक ब्रांड बन चुका है। स्टेडियम में आने वाली भीड़ अपने चहेते खिलाड़ियों को चौके छक्के लगाते देखना चाहती है।

चेन्नई सुपर किंग्स को आईपीएल की मजबूत टीम माना जाता है जिसने अब तक 5 बार यह खिताब जीता है। देश के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी इस टीम के साथ आरंभ से ही जुड़े हुए हैं। वह 43 साल के हो चुके हैं पर, अब भी खेल रहे हैं। हर बार लगता है कि यह धोनी का आखिरी साल है लेकिन उनके करोड़ों प्रशंसक उन्हें रिटायर नहीं होने दे रहे। 2025 का आईपीएल उनका आखिरी है या नहीं, यह कोई नहीं बता सकता। पर, उनके निराशाजनक प्रदर्शन से रिटायरमेंट को लेकर फिर चर्चा छिड़ गई है। बल्लेबाजी के लिए धोनी का काफी नीचे आना भी सवाल खड़े करता है। जब वह सातवें या आठवें नंबर पर आते हैं तब गेंदें कम बचती हैं। ऐसे में जीत दिलाने के लिए उनकी कोशिश बेकार चली जाती है।

सोमवार 14 अप्रैल को लखनऊ में खेला गया मैच चेन्नई ने अवश्य जीत लिया लेकिन अब भी अंक तालिका में धोनी की टीम आखिरी पायदान पर है। सात में से केवल दो मैचों में चेन्नई को जीत मिली है। ऐसे में नहीं लगता कि सीएसके चोटी की चार टीमों में पहुंच पाएगी। लखनऊ सुपर जायंट्स की टीम अपने घरेलू मैदान में पांच विकेट से हार गई। मेजबान टीम से ज्यादा यहां पीली जर्सी वाले प्रशंसक अधिक दिख रहे थे। इसकी एकमात्र वजह महेन्द्र सिंह धोनी हैं जिन्हें खेलते देखने के लिए दर्शक बेताब रहते हैं। धोनी कहीं भी खेल रहे हों उन्हें देखने का क्रेज बरकरार रहता है। मगर, देखने की बात यही है कि वह कब तक खेलेंगे? लखनऊ में धोनी ने 26 रन ही बनाए लेकिन उनके बल्ले से निकले 4 चौके और एक छक्के से इकाना स्टेडियम रोमांचित हो गया।

इसी मुकाबले में लखनऊ टीम के कप्तान ऋषभ पंत ने इस आईपीएल में पहली बार अर्धशतक बनाया। उनकी नाकामी से टीम पर दबाव पड़ रहा था। पंत की विफलता से टीम प्रबंधन चिंतित भी था। कप्तान के असफल होने से टीम के मनोबल पर असर पड़ता है। उन्होंने 63 रनों की पारी खेली। हालांकि, अपनी टीम को जिता नहीं पाए। अभी तक खेले गए मैचों के हिसाब से पंत की टीम चौथे नंबर पर है। उसने 7 में से 4 मैच जीते हैं। वेस्ट इंडीज के निकोलस पूरन इस टीम के दमदार खिलाड़ी के रूप में उभरे हैं।

दिल्ली की टीम नए कप्तान अक्षर पटेल की अगुवाई में अच्छा प्रदर्शन कर रही है। अभी तक ऋषभ पंत दिल्ली के कप्तान थे। दिल्ली कैपिटल्स अंक तालिका में दूसरे स्थान पर है। उसने 5 में से 4 मैच जीते हैं। गुजरात की टीम अभी चोटी पर है। शुभमन गिल की कप्तानी में इस टीम ने 6 में से 4 मैच जीते हैं। बेंगलुरू की टीम 6 में से 4 मैच जीत कर अंक तालिका में तीसरे स्थान पर है। अभी आईपीएल में काफी मैच खेले जाने हैं। टीमें ऊपर नीचे हो सकती हैं। कई नए खिलाड़ी सामने आ रहे हैं। पंजाब के प्रियांश ने अपने पहले ही मैच में शतक लगाकर सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा है।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

खेल/विदेश/कारोबार/फिल्म

जीरो फॉर जीरो टैरिफ से शुल्क कटौती तक, एक तीर से लगेंगे दो निशाने

(एजेन्सी)।

अमेरिका। भारत बहुप्रतीक्षित द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर आम सहमति बनाने के लिए अमेरिका के साथ क्षेत्र-विशिष्ट व्यापार चर्चा शुरू करने के लिए तैयार है। ब्लूमबर्ग ने एक वरिष्ठ अधिकारी के हवाले से कहा कि दोनों पक्ष इस सप्ताह द्विपक्षीय वार्ता शुरू करेंगे, जिसमें नई दिल्ली और वाशिंगटन दोनों ही रियायतें देने वाले क्षेत्रों के बारे में अधिक स्पष्टता चाहते हैं। इससे पहले मार्च में भारत के वाणिज्य विभाग और अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय के प्रतिनिधियों ने 26 मार्च से शुरू होकर चार दिनों तक राष्ट्रीय राजधानी में बैठक की थी।

भारत-अमेरिका व्यापार वार्ता में 'जीरो-फॉर-जीरो' टैरिफ रणनीति पर चर्चा नहीं हो सकती है, क्योंकि दोनों देश वर्तमान में आर्थिक विकास के विभिन्न चरणों में हैं। जीरो-फॉर-जीरो टैरिफ रणनीति तब संभव है जब उन्नत अर्थव्यवस्थाएं आपस में कोई सौदा करती हैं, जैसे कि अमेरिका और यूरोपीय संघ। इसके विपरीत, भारत जैसी अर्थव्यवस्था के लिए। यह रणनीति व्यावहारिक रूप से तब फायदेमंद नहीं है जब सौदा भारत और अमेरिका जैसी अलग-अलग अर्थव्यवस्थाओं के बीच हो। भारत और अमेरिका दोनों इस साल सितंबर या अक्टूबर तक वार्ता के पहले चरण को पूरा करना चाहते हैं। वर्तमान में, भारत-अमेरिका व्यापार 191 बिलियन अमरीकी डॉलर है, दोनों देश इस साल जनवरी में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के साथ पीएम मोदी की बैठक के दौरान परिकल्पित द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना से अधिक 500 बिलियन अमरीकी डॉलर तक ले जाना चाहते हैं।

अमेरिका भारत से पेट्रोकेमिकल्स, डेयरी, कृषि उत्पाद, इलेक्ट्रिक वाहन, वाइन और औद्योगिक वस्तुओं सहित कई क्षेत्रों में टैरिफ रियायतें मांग सकता है। भारत की मांगें श्रम-प्रधान क्षेत्रों जैसे वस्त्र, रत्न और आभूषण, वस्त्र आदि पर शुल्क कटौती के इर्द-गिर्द केंद्रित हो सकती हैं। वाशिंगटन को यह भी उम्मीद है कि नई दिल्ली अपने कृषि बाजार को अमेरिकी व्यवसायों के लिए खोल देगा। हालाँकि, यह संभावना नहीं है कि भारत व्यापार वार्ता में डेयरी और कृषि को शामिल करेगा क्योंकि इन क्षेत्रों पर राजनीतिक प्रभाव पड़ सकता है।

महंगाई के मोर्चे पर बड़ी राहत

(एजेन्सी)।

मंगलवार को जारी नवीनतम आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, उपभोक्ता मूल्य सूचकांक पर आधारित भारत की खुदरा मुद्रास्फीति मार्च 2025 में गिरकर 3.34 प्रतिशत हो गई, जो अगस्त 2019 के बाद सबसे कम है। मार्च 2025 की मुद्रास्फीति में गिरावट महीने के दौरान खाद्य मुद्रास्फीति में तेज गिरावट के बीच आई है। फरवरी 2025 में सीपीआई मुद्रास्फीति 3.61 प्रतिशत और मार्च 2024 में 4.38 प्रतिशत थी। मार्च 2025 में मुद्रास्फीति की दर अगस्त 2019 के बाद सबसे कम है, जब यह 3.28 प्रतिशत थी।

सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने एक बयान में कहा, "मार्च, 2025 के महीने के लिए अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक पर आधारित वर्ष-दर-वर्ष मुद्रास्फीति दर मार्च, 2024 की तुलना में 3.34% है। फरवरी, 2025 की तुलना में मार्च, 2025 की हेडलाइन मुद्रास्फीति में 27 आधार अंकों की गिरावट है। यह अगस्त 2019 के बाद सबसे कम साल-दर-साल मुद्रास्फीति है।" खाद्य मुद्रास्फीति तेजी से घटकर 2.69 प्रतिशत हो गई, जबकि फरवरी 2025 में यह 3.75 प्रतिशत और मार्च 2024 में 8.52 प्रतिशत होगी। वहीं, खाद्य वस्तुओं के दाम घटने से थोक मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति मार्च में मासिक आधार पर घटकर छह महीने के निचले स्तर 2.05 प्रतिशत पर आ गई। मंगलवार को जारी सरकारी आंकड़ों में यह जानकारी दी गई। इससे पहले पिछले साल सितंबर में थोक मुद्रास्फीति 1.91 प्रतिशत पर रही थी। वहीं थोक मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति फरवरी में 2.38 प्रतिशत थी। हालांकि, वार्षिक आधार पर मार्च में इसमें वृद्धि हुई है। मार्च, 2024 में यह 0.26 प्रतिशत थी।

आरबीआई ने पिछले सप्ताह प्रमुख नीतिगत दर रेपो को 0.25 प्रतिशत घटाकर छह प्रतिशत कर दिया है। केंद्रीय बैंक ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 के लिए खुदरा मुद्रास्फीति के चार प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है। इसमें पहली तिमाही में इसके 3.6 प्रतिशत, दूसरी तिमाही 3.9 प्रतिशत, तीसरी तिमाही 3.8 प्रतिशत और चौथी तिमाही में 4.4 प्रतिशत रहने का अनुमान है, जबकि जोखिम दोनों ओर समान रूप से संतुलित हैं। इस बीच, खाद्य वस्तुओं के दाम घटने से थोक मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति मार्च में मासिक आधार पर घटकर छह महीने के निचले स्तर 2.05 प्रतिशत पर आ गई।

तारक मेहता का उल्टा चश्मा में दयाबेन करेंगी वापसी

(एजेन्सी)।

तारक मेहता का उल्टा चश्मा के निमार्ता असित मोदी ने एक इंटरव्यू में पुष्टि की कि पूरी टीम दर्शकों को नई दयाबेन से मिलवाने का बेसब्री से इंतजार कर रही है। दिशा वकानी ने पहले दयाबेन का किरदार निभाया था। लेकिन कुछ साल पहले उन्होंने शो छोड़ दिया था। शो की टीम वकानी को वापस लाने की कोशिश करती रही, लेकिन उनकी कोशिशें नाकाम रहीं। हालांकि, ऐसा लग रहा है कि दर्शकों का इंतजार अब खत्म हो सकता है। इसी बीच तारक मेहता के इस पॉपुलर किरदार को लेकर एक नया अपडेट सामने आया है। दयाबेन का किरदार जल्द ही शो में वापसी करेगा। शो के प्रोड्यूसर असित मोदी ने इस किरदार के लिए कुछ अभिनेत्रियों को शॉर्टलिस्ट किया है। यह पुष्टि फैंस के लिए अच्छी और दुखद खबर दोनों है। शो के प्रोड्यूसर असित कुमार मोदी ने शो में दयाबेन के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि पूरी टीम इस प्रतिष्ठित किरदार को शो में वापस लाने में जुटी हुई है। उन्होंने यह भी खुलासा किया कि दिशा वकानी शो में वापसी नहीं कर रही हैं, बल्कि कोई और अभिनेत्री उनकी जगह लेगी। इंडियन एक्सप्रेस से बातचीत में असित मोदी ने शो में दयाबेन के किरदार की वापसी पर अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, "लोग शिकायत करते हैं कि दया भाभी के जाने के बाद से उन्हें शो पसंद नहीं आ रहा है, और मैं भी इससे सहमत हूँ। मैं जल्द ही दया भाभी को वापस लाऊंगा। लेखकों और अभिनेताओं की पूरी टीम दया भाभी की कमी को पूरा करने की पूरी कोशिश कर रही है। दया भाभी जल्द ही वापस आएंगी। हम केवल यही प्रार्थना कर सकते हैं कि दिशा वकानी वापस आ जाएँ। उनके पास पारिवारिक जिम्मेदारियाँ हैं।" असित मोदी ने आगे कहा, 'मैंने दयाबेन के किरदार के लिए कुछ अभिनेत्रियों को शॉर्टलिस्ट किया है और आप सभी जल्द ही उनसे मिलेंगे भी। दिशा वकानी को शो छोड़े पांच साल हो गए हैं और हम आज भी उन्हें मिस करते हैं। वह अपने साथी कलाकारों और क्रू मेंबर्स का बहुत ख्याल रखती थीं। हमारा लक्ष्य दिशा वकानी जैसा कोई किरदार ढूंढना है।'

दिशा वकानी शो में दयाबेन का किरदार निभा रही थीं, लेकिन पिछले कई सालों से वो स्क्रीन से दूर हैं और अपना पूरा समय अपने परिवार को दे रही हैं। लेकिन, दिशा वकानी के फैंस आज भी उन्हें स्क्रीन पर दयाबेन के किरदार में देखने के लिए बेताब हैं। वहीं दूसरी तरफ परिवार और बच्चों की जिम्मेदारियों के बीच दिशा वकानी के लिए स्क्रीन पर वापसी करना मुश्किल होता जा रहा है।

सुनील नरेन ने अपने नाम किया बड़ा रिकॉर्ड

(एजेन्सी)।

आईपीएल 2025 का 31वां मुकाबला पंजाब किंग्स और केकेआर के बीच खेला जा रहा है। मुल्लांपुर के महाराजा यादवेंद्र सिंह इंटरनेशनल क्रिकेट स्डेयिम में खेले जा रहे इस मुकाबले में केकेआर के स्पिन गेंदबाज सुनील नरेन ने एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम किया है। सुनील नरेन ने इस मैच में बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए तीन ओवरों में केवल 14 रन खर्च करते हुए दो विकेट हासिल किए। नरेन ने युवा ऑलराउंडर सुयांश शेडगे को विकेटकीपर क्विंटन डिकॉक के हाथों कैच आउट कराया। वहीं मार्को यानसेन को क्लीन बोल्ड कर पवेलियन भेजा। इन दो विकेटों के साथ नरेन आईपीएळ में किसी एक टीम के खिलाफ सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाजों की लिस्ट में टॉप पर पहुंच गए हैं।

सुनील नरेन ने पंजाब किंग्स के खिलाफ अब तक 36 विकेट लिए हैं। उनका पंजाब के खिलाफ प्रदर्शन लगातार प्रभावशाली रहा है, जहां वे नई गेंद से भी आक्रामण करते हैं और मिडिल ओवर्स में भी किफायती साबित होते हैं। इसके अलावा, तेज गेंदबाज उमेश यादव ने भी पंजाब किंग्स के खिलाफ 35 विकेट झटके हैं। ड्वेन ब्रावो और मोहित शर्मा जैसे गेंदबाजों ने मुंबई इंडियंस जैसे मजबूत बल्लेबाजी लाइनअप के खिलाफ 33-33 विकेट हासिल किए हैं। ब्रावो की डेथ ओवर्स में गेंदबाजी और मोहित की लेंथ गेंदबाजी मुंबई के खिलाफ कारगर रही है।

वहीं युजवेंद्र चहल और भुवनेश्वर कुमार भी लगातार एक खास टीम के खिलाफ विकेट निकालते आए हैं। चहल ने गुगली और फ्लाइटेड गेंदों की मदद से पंजाब किंग्स के खिलाफ बल्लेबाजों को परेशान किया है, जबकि भुवी की स्विंग ने केकेआर के बल्लेबाजों को बार-बार मात दी है। दोनों ने 32-32 विकेट लिए हैं। वहीं, लसिथ मलिंगा, जिन्हें आईपीएल का डेथ ओवर स्पेशलिस्ट कहा जाता है, ने चेन्नई सुपर किंग्स जैसे मजबूत बैटिंग लाइनअप के खिलाफ 31 विकेट झटके हैं। वहीं अमित मिश्रा ने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ 31 विकेट लिए हैं।

गर्मियों के सुपरफूड-आम

विटामिन A और C से भरपूर: भारत में उगता दुनिया का सबसे ज्यादा आम, जानिए सेहत को क्या फायदे और क्या नुकसान

गर्मियों के सुपरफूड की लिस्ट में आम का नाम कैसे छूट सकता है। आम को 'फलों का राजा' कहा जाता है। यह स्वाद के साथ पोषक तत्व से भी भरपूर होता है। आम विटामिन A और C का अच्छा स्रोत है। इसमें पर्याप्त फाइबर होता है, जिससे पाचन में मदद मिलती है।

आम की खेती भारत में लगभग 5000 साल पहले शुरू हुई थी। संस्कृत में इसे 'आम्र' कहा जाता है। आम्र से ही हिंदी, मराठी, बंगाली, मैथिली में 'आम' शब्द बना है। पुर्तगाली लोग इसे 'मांगा' कहते थे, जिससे यूरोपीय भाषाओं में 'मैंगो' शब्द बना।

भारत विश्व में आम का सबसे बड़ा उत्पादक देश है। यहां दुनिया का 41% आम उगाया जाता है। आम भारत का राष्ट्रीय फल भी है। आम भारतीयों के पसंदीदा फलों में से भी एक है।

इसकी न्यूट्रिशनल वैल्यू क्या है?

इसमें कौन से विटामिन्स और मिनरल्स होते हैं?

किन लोगों को आम नहीं खाना चाहिए?

आम की न्यूट्रिशनल वैल्यू

100 ग्राम आम में लगभग 60 कैलोरी होती हैं। इसका ज्यादातर हिस्सा पानी होता है। इसमें प्रोटीन, कार्ब्स और फाइबर भी होता है।

आम में होते हैं महत्वपूर्ण विटामिन्स और मिनरल्स

आम विटामिन्स का अच्छा सोर्स है। इसमें पोटेशियम और कॉपर जैसे जरूरी मिनरल्स भी होते हैं।

आम सेहत के लिए फायदेमंद

आम खाने से इम्यून सिस्टम मजबूत होता है। इससे स्किन हेल्थ में सुधार होता है। इससे पाचन तंत्र दुरुस्त रहता है। आम खाने से स्ट्रेस कम होता है और डिप्रेशन जैसी स्थिति से उबरने में भी मदद मिलती है।

वजन कंट्रोल करने में मददगार

आम में फाइबर भरपूर होता है, जिससे पाचन में आसानी होती है। फाइबर से पेट लंबे समय तक भरा रहता है। इससे भूख कम लगती है और अनहेल्दी स्नैक्स खाने की आदत पर काबू पाया जा सकता है। यह कम कैलोरी में अधिक पोषण देने वाला फल है, जिससे वजन कंट्रोल करने में मदद मिलती है।

बालों और त्वचा के लिए फायदेमंद

आम में विटामिन A, C और E होते हैं, जो स्किन और बालों के लिए बेहद जरूरी हैं। ये एंटीऑक्सिडेंट त्वचा को सन लाइट और प्रदूषण से होने वाले नुकसान से बचाते हैं।

इन्हें सप्लिमेंट्स के रूप में लेने की बजाय प्राकृतिक रूप से आम के जरिए खाना फायदेमंद है।

कोलेस्ट्रॉल लेवल कम करता है

आम में सॉल्यूबल फाइबर होता है, जो शरीर में खराब कोलेस्ट्रॉल (LDL) को कम करने में मदद करता है। इससे आर्टरीज में प्लाक जमा नहीं होता है और हार्ट हेल्थ भी अच्छी रहती है।

ब्लड प्रेशर कंट्रोल करता है

आम पोटेशियम का अच्छा स्रोत है, जो शरीर में सोडियम के प्रभाव को संतुलित करता है। इससे हाई ब्लड प्रेशर का खतरा कम होता है और हार्ट संबंधी परेशानियों से बचाव होता है।

कैंसर का जोखिम कम करता है

आम में बीटा-कैरोटीन भरपूर मात्रा में होता है। इनकी मौजूदगी से ही आम का रंग पीला और नारंगी होता है। यह एक पावरफुल एंटीऑक्सिडेंट है, जो शरीर में फ्री रेडिकल्स से लड़ने में मदद करता है। असल में फ्री रेडिकल्स हमारे शरीर की स्वस्थ कोशिकाओं को नुकसान पहुंचा सकते हैं और कैंसर का खतरा बढ़ा सकते हैं। आम में मौजूद सभी एंटीऑक्सिडेंट शरीर को कैंसर से बचाते हैं।

हार्ट हेल्थ सुधारता है

आम हार्ट को हेल्दी बनाए रखने में मदद करते हैं। इसमें मैग्नीशियम और पोटेशियम भरपूर मात्रा में होते हैं, जो ब्लड प्रेशर को नियंत्रित रखते हैं और दिल की धड़कन को सामान्य बनाए रखते हैं। इसके अलावा आम में मैंगिफेरिन नामक एक खास तत्व पाया जाता है, जो हार्ट का इंफ्लेमेशन कम करने में मदद कर सकता है।

पाचन तंत्र मजबूत करता है

आम खाने से पाचन तंत्र बेहतर रहता है। इसमें एमाइलेज एंजाइम होते हैं, जो भोजन को आसानी से पचाने में मदद करते हैं। ये एंजाइम कॉम्प्लेक्स स्टार्च को तोड़ने में मदद करते हैं। इसके साथ आम में मौजूद डाइटरी फाइबर कब्ज से राहत दिलाते हैं और यह फाइबर सप्लिमेंट्स से भी ज्यादा प्रभावी हो सकता है।

आम खाने से जुड़े कॉमन सवाल और जवाब

सवालः क्या आम खाने से वजन बढ़ता है?

जवाबः नहीं, अगर सही मात्रा में खाया जाए तो वजन नहीं बढ़ता है। हालांकि, यह सच है कि आम में नेचुरल शुगर होता है। इसके साथ फाइबर भी होता है, जो भूख को नियंत्रित करता है। इसलिए अगर सीमित मात्रा में आम खाया जाए तो वजन नहीं बढ़ता है। इससे ऊर्जा मिलती है और पोषण भी मिलता है।

इम्युनिटी बढ़ाने के लिए अपनी डाइट में शामिल में करें ये चीजें

मौसम बदलने पर बीमारियों से बचने के लिए संतुलित और पौष्टिक आहार लेना बेहद जरूरी होता है। सही खानपान न केवल हमारी इम्युनिटी को मजबूत करता है, बल्कि हमें मौसमी संक्रमणों से भी बचाता है। बादाम, मौसमी फल और हरी सब्जियों को अपनी रोजमर्रा की डाइट में शामिल करने से शरीर को आवश्यक पोषक तत्व मिलते हैं, जो संक्रमणों से लड़ने की ताकत देते हैं। यहाँ इम्युनिटी बढ़ाने वाले 4 असरदार खाद्य पदार्थ दिए गए हैं, जो आपको मौसमी फ्लू और अन्य बीमारियों से बचाने में मदद कर सकते हैं।बादाम सिर्फ स्वादिष्ट ही नहीं, बल्कि पौष्टिकता का खजाना हैं। इनमें विटामिन ई, जिंक, फोलेट और आयरन सहित 15 आवश्यक पोषक तत्व होते हैं, जो शरीर कीरोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में मदद करते हैं। रोज़ाना एक मुट्ठी बादाम खाना या इन्हें नाश्ते में शामिल करना सेहत के लिए फायदेमंद होता है। बादाम स्वाभाविक रूप से कुरकुरे, स्वादिष्ट और बहुपयोगी होते हैं, जिन्हें दिनभर कभी भी खाया जा सकता है। भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) के अनुसार, नियमित रूप से बादाम खाने से इम्युनिटी को बढ़ावा मिलता है। अपनी डाइट में बादाम शामिल करें और स्वस्थ रहने की इस आसान आदत को अपनाएं।संतरा, नींबू, मौसंबी और चकोतरा जैसे खट्टे फल विटामिन सी से भरपूर होते हैं, जो शरीर में श्वेत रक्त कोशिकाओं (डब्लूबीसी) के उत्पादन में मदद करते हैं। ये कोशिकाएँ संक्रमणों से लड़ने का मुख्य कार्य करती हैं। रोजाना एक गिलास ताजा संतरे या मौसंबी का जूसपी ने से शरीर को पर्याप्त विटामिन सी मिलता है। इन्हें सलाद, डिटॉक्स ड्रिंक्स या स्मूदी के रूप में भी डाइट में शामिल किया जा सकता है।इन्हें नियमित रूप से खाने से इम्युनिटी मजबूत होगी और आप फ्लू जैसी बीमारियों से बचे रहेंगे।लहसुन का उपयोग प्राचीन काल से औषधीय गुणों के लिए किया जाता रहा है। इसमें मौजूद एलिसिन नामक तत्व कीटाणुओं को खत्म करने में मदद करता है। लहसुन में प्राकृतिक एंटी-बैक्टीरियल और एंटी-वायरल गुण होते हैं, जो शरीर को संक्रमणों से बचाते हैं। इसे करी, सूप, सब्जियों और सॉस में मिलाकर खाने से स्वाद भी बढ़ता है और सेहत भी सुधरती है। इसे अपनी डाइट में शामिल करें और छोटी-छोटी बीमारियों से बचाव करें।पालक, सहजन की पत्तियाँ, चौलाई की पत्तियाँ, पुदीना आदि हरी पत्तेदार सब्जियाँ इम्युनिटी बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। विटामिन ए, विटामिन सी और फोलेट से भरपूर ये सब्जियाँ शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाती हैं। इनका सेवन करी, ग्रेवी, दाल, सलाद और सूप में किया जा सकता है।रोजाना हरी पत्तेदार सब्जियों का सेवन करें और शरीर को आवश्यक पोषण दें।

आंखों का फड़कना सिर्फ थकान नहीं, हो सकती बीमारी

आमतौर पर हर किसी को जीवन में कभी-न-कभी आंख फड़कने का अनुभव होता है। ज्यादातर मामलों में यह बहुत सामान्य होता है। ज्यादा थकान, तनाव या कैफीन की अधिकता के कारण ऐसा हो सकता है। हालांकि, अगर आपकी आंखें लगातार और अनियंत्रित रूप से फड़क रही हैं तो यह ब्लेफरोस्पाज्म में नामक एक गंभीर न्यूरोलॉजिकल कंडीशन का संकेत हो सकता है।

> **ब्लेफरोस्पाज्म में आंखों की मसल्स पर कंट्रोल खत्म होता, डॉक्टर से जानें इलाज और बचाव**

इस कंडीशन में आंखों की मसल्स पर कंट्रोल खत्म हो जाता है। आंखों की मसल्स अपने आप सिकुड़ती है, जिससे बार-बार पलकें बंद होती हैं। यह रेयर कंडीशन है, लेकिन कई बार बहुत परेशानी का कारण बन सकती है। हालांकि, इसका इलाज संभव है और इसे कई तरह से ट्रीट किया जा सकता है। ब्लेफरोस्पाज्म के कारण अगर बार-बार आंख फड़क रही है और आप ड्राइव कर रहे हैं तो एक्सीडेंट का खतरा हो सकता है। इस कंडीशन में ऐसे सभी कामों में बहुत मुश्किल होती है, जिनमें बहुत एकाग्रता की जरूरत होती है।

ब्लेफरोस्पाज्म क्या होता है?

इसके लक्षण और वजह क्या है?

क्या ब्लेफरोस्पाज्म का इलाज संभव है?

क्या है ब्लेफरोस्पाज्म?

ब्लेफरोस्पाज्म एक रेयर न्यूरोलॉजिकल डिसऑर्डर है, जिसे फोकल डिस्टोनिया कहा जाता है। इसमें आंखों के आसपास की मसल्स अनियंत्रित रूप से सिकुड़ने लगती हैं। इसके कारण व्यक्ति की पलकों के झपकने की गति बढ़ जाती है।

कितने रेयर हैं इसके मामले?

हर 1 लाख लोगों में सिर्फ 5 लोगों को ब्लेफरोस्पाज्म होता है। भारत में इसका कोई ठोस डेटा उपलब्ध नहीं है। हालांकि, पुरुषों की तुलना में महिलाओं में यह समस्या ज्यादा देखने को मिलती है। आमतौर पर 40 से 60 वर्ष की उम्र के लोगों को प्रभावित करती है। डॉ. रीना अग्रवाल कहती हैं कि जागरूकता की कमी और गलत डायग्नोसिस के कारण कई मामलों का पता नहीं चल पाता है।

ब्लेफरोस्पाज्म के क्या लक्षण हैं?

अगर किसी की आंखें बार-बार अनियंत्रित रूप से बंद हो रही हैं तो इसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। इसमें आमतौर पर तेज हवा, तेज रोशनी या स्ट्रेस के कारण बार-बार पलकें झपकने लगती हैं। इसके कई अन्य लक्षण हो सकते हैं, ग्राफिक में देखिए-

ब्लेफरोस्पाज्म क्यों होता है?

डॉ. रीना अग्रवाल कहती हैं कि इस बीमारी के सटीक कारण का अभी तक पूरी तरह पता नहीं चला है, लेकिन यह ब्रेन के 'बेसल गैंग्लिया' नामक हिस्से में असामान्य एक्टिविटीज के कारण हो सकता है।

ब्लेफरोस्पाज्म के रिस्क फैक्टर

अगर परिवार में किसी को ब्लेफरोस्पाज्म की समस्या रही है तो अन्य लोगों में भी इसके विकसित होने की संभावना बढ़ जाती है। पार्किंसन जैसी बीमारियों के कारण भी ऐसा हो सकता है। अगर आंखों में लंबे समय तक जलन या इन्फेक्शन है तो भी ब्लेफरोस्पाज्म हो सकता है। ज्यादा स्ट्रेस और थकान के कारण यह समस्या और अधिक गंभीर हो सकती है। इसके अलावा कुछ एंटी-डिप्रेसेंट और न्यूरोलॉजिकल दवाइयां ब्लेफरोस्पाज्म ट्रिगर हो सकती है।

ब्लेफरोस्पाज्म का इलाज क्या है?

डॉ. रीना अग्रवाल कहती हैं कि ब्लेफरोस्पाज्म का कोई स्थायी इलाज नहीं होता है। हालांकि इसके लक्षणों को कम करने के लिए कई अच्छे ट्रीटमेंट मौजूद हैं।

बोटॉक्स इंजेक्शनः यह ब्लेफरोस्पाज्म में सबसे प्रभावी ट्रीटमेंट माना जाता है। बोटुलिनम टॉक्सिन को आंखों की मांसपेशियों में इंजेक्ट किया जाता है, जिससे वे रिलैक्स हो जाती हैं और ऐंठन कम हो जाती है। इसका असर 3-4 महीने तक रहता है और फिर दोबारा इंजेक्शन की जरूरत होती है।

मेडिकेशनः कुछ मामलों में डॉक्टर मसल रिलैक्सेंट्स और एंटीकोलिनर्जिक दवाएं देते हैं, लेकिन ये बोटॉक्स की तुलना में कम प्रभावी होती हैं।

मायेक्टोमी सर्जरीः जब मामला थोड़ा गंभीर होता है या सामान्य ट्रीटमेंट काम नहीं करते हैं तो सर्जरी के जरिए पलकों की कुछ मसल्स को हटाया जा सकता है, जिससे ऐंठन कम हो जाती है।

क्या ब्लेफरोस्पाज्म से बचाव संभव है?

डॉ. रीना अग्रवाल कहती हैं कि ब्लेफरोस्पाज्म को पूरी तरह से रोका नहीं जा सकता है क्योंकि हमें इसके होने का सटीक कारण नहीं पता है। हालांकि इसके लक्षणों को गंभीर होने से रोक सकते हैं या सामान्य लक्षण दिखने पर जरूरी सावधानियां बरत सकते हैं।

इसके लिए ये तरीके अपना सकते हैंः

तेज रोशनी, थकान और तनाव से बचें।

नियमित रूप से आंखों की जांच कराएं।

स्क्रीन टाइम कम करें और नींद पूरी लें।

हेल्दी डाइट लें, जिसमें कैल्शियम और विटामिन D पर्याप्त मात्रा में हो।

ब्लेफरोस्पाज्म और आंख फड़कने से जुड़े कॉमन सवाल और उनके जवाब

सवालः आंख क्यों फड़कती है?

जवाबः आमतौर बहुत थकान के कारण ऐसा होता है। इसके ये कारण हो सकते हैं-

बहुत अधिक तनाव और थकान।

कैफीन या शराब का अधिक सेवन।

विटामिन या मिनरल्स की कमी, खासकर मैग्नीशियम की कमी।

आंखों पर बहुत जोर यानी स्क्रीन पर ज्यादा समय बिताने के कारण।

सवालः क्या ब्लेफरोस्पाज्म स्थायी कंडीशन है?

जवाबः यह अलग-अलग व्यक्तियों पर निर्भर करता है। ज्यादातर मामलों में ट्रीटमेंट के बाद इसके लक्षण बहुत हल्के हो जाते हैं और यह नियंत्रित हो सकता है। जबकि कुछ कंडीशंस में यह गंभीर हो सकता है जीवनभर बना रह सकता है।

सवालः आंख फड़कने पर क्या करना चाहिए?

जवाबः हां, हल्के मामलों में ये उपाय मदद कर सकते हैं:

भरपूर नींद लें।

कैफीन और शराब का सेवन कम करें।

ठंडी सिकाई करें।

आंखों को पर्याप्त आराम दें।

मैग्नीशियम से भरपूर डाइट लें, जैसे- केला, नट्स, हरी पत्तेदार सब्जियां।

सवालः आंखें फड़कने पर डॉक्टर को दिखाना कब जरूरी है?

जवाबः आमतौर पर थकान या स्ट्रेस के कारण आंखें फड़कने लगती हैं। अगर ये लक्षण लंबे समय तक बने हुए हैं तो इन्हें गंभीरता से लेने की जरूरत है।

अगर आंखें हफ्तों तक फड़क रही हैं।

अगर पूरे चेहरे की अन्य मसल्स भी फड़क रही हैं।

अगर आंखें फड़कने के कारण देखने में परेशानी हो रही है।

अगर किसी अन्य न्यूरोलॉजिकल समस्या के संकेत मिल रहे हैं, जैसे- बोलने में कठिनाई, चलने में संतुलन कम होना।

सवालः क्या यह अंधेपन का कारण बन सकती है?

जवाबः नहीं, लेकिन गंभीर मामलों में व्यक्ति की दृष्टि अस्थायी रूप से प्रभावित हो सकती है।

सवालः क्या घरेलू उपाय से इसे ठीक किया जा सकता है?

जवाबः घरेलू उपायों से सिर्फ इसके लक्षण कम हो सकते हैं, लेकिन इसका पूरा इलाज डॉक्टर की देखरेख में ही संभव है।

शरीर के तापमान को संतुलित रखती प्याजः जानें 10 फायदे

गर्मियों के सुपरफूड की लिस्ट में प्याज को भी शामिल करना चाहिए। आयुर्वेद में इसे शरीर को ठंडा रखने के लिए जाना जाता है। चिलचिलाती धूप और तेज गर्मी में प्याज शरीर को हाइड्रेट रखने में मदद करती है क्योंकि इसमें पानी की मात्रा अधिक होती है।

प्याज का इस्तेमाल आमतौर पर खाने की ग्रेवी बनाने, तड़का लगाने और सलाद के रूप में किया जाता है। प्याज कई जरूरी पोषक तत्वों से भरपूर होती है और सेहत के लिए बेहद फायदेमंद है।

> **एंटी-कैंसर, एंटी-बैक्टीरियल गुणों से भरपूर, रोज खाएं और स्वस्थ रहें**

जर्नल पब्लिशिंग प्लेटफॉर्म 'फ्रंटियर' में पब्लिश एक स्टडी के मुताबिक, प्याज में एंटी कैंसर, एंटी फंगल, एंटी ओबेसिटी, एंटी बैक्टीरियल, एंटी इंफ्लेमेटरी और एंटी डायबिटिक गुण होते हैं।

इतना ही नहीं प्याज में कॉर्डियोवस्कुलर प्रोटेक्टिव, न्यूरो प्रोटेक्टिव, रेस्पिरेटरी प्रोटेक्टिव और डाइजेस्टिव सिस्टम प्रोटेक्टिव समेत कई प्रॉपर्टीज भी होती हैं। कुल मिलाकर प्याज हमारी ओवर ऑल हेल्थ के लिए बेहद फायदेमंद है।

प्याज की न्यूट्रिशनल वैल्यू क्या है

ये सेहत के लिए कितनी फायदेमंद है?

प्याज किन्हें नहीं खानी चाहिए?

प्याज पोषक तत्वों से होती भरपूर

यूनाइटेड स्टेट्स डिपार्टमेंट ऑफ एग्रीकल्चर (USDA) के मुताबिक, प्याज में विटामिन B6 और फोलेट के साथ-साथ पोटेशियम, फाइबर, मैग्नीशियम और मैंगनीज जैसे कई मिनरल्स होते हैं। ये पोषक तत्व हमारी ओवर ऑल हेल्थ के लिए बेहद जरूरी हैं।

इसमें फ्लेवोनोइड्स, ग्लूटाथियोन, सेलेनियम, विटामिन E और C जैसे एंटीऑक्सिडेंट्स भी होते हैं, जो इसे सेहत के लिए रामबाण बनाते हैं।

प्याज सेहत को रखती सुरक्षित

प्याज में मौजूद विटामिन C और फ्लेवोनोइड्स जैसे एंटीऑक्सिडेंट्स शरीर को फ्री रेडिकल्स से बचाते हैं। ये फ्री रेडिकल्स शरीर में सूजन और कई बीमारियों का कारण बनते हैं। प्याज में सल्फर और क्वेरसेटिन नामक एंटीऑक्सिडेंट्स होते हैं, जो ब्लड शुगर और कोलेस्ट्रॉल लेवल को कंट्रोल रखते हैं। प्याज में मौजूद पोटेशियम ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में मदद करता है।

प्याज में फाइबर की भरपूर मात्रा होती है, जो पाचन तंत्र को मजबूत बनाए रखने में मदद करती है। इसमें प्रोबायोटिक्स होते हैं, जो आंतों में गुड बैक्टीरिया को बढ़ाते हैं, जिससे पाचन प्रक्रिया बेहतर होती है। प्याज में एंटीबैक्टीरियल और एंटीवायरल गुण होते हैं, जो शरीर को बैक्टीरिया और वायरस से बचाते हैं। खासकर यह सर्दी, जुकाम, खांसी और गले की खराश जैसी समस्याओं में राहत दिलाती है।

इसके अलावा प्याज में मौजूद कैल्शियम, मैग्नीशियम और फास्फोरस जैसे मिनरल्स हड्डियों को मजबूती देते हैं। वहीं विटामिन C और सिलिका स्किन व बालों के लिए फायदेमंद है। यह काले धब्बे, झुर्रियों और मुहांसों को रोकने में मदद करती है।

प्याज से जुड़े कॉमन सवाल-जवाब

सवालः गर्मियों में प्याज खाना क्यों फायदेमंद है?

जवाबः सीनियर डाइटीशियन डॉ. पूनम तिवारी बताती हैं कि गर्मी के मौसम में रोजाना प्याज खाने से पसीना कम आता है क्योंकि यह शरीर के तापमान को संतुलित करने में मदद करती है। प्याज की तासीर ठंडी होती है, जो शरीर को अंदर से ठंडा रखने में मदद करती है।

इसमें पानी की मात्रा अधिक होती है, जो शरीर को हाइड्रेट रखने में मदद करती है। साथ ही प्याज में पोटेशियम जैसे इलेक्ट्रोलाइट होते हैं, जो शरीर में पानी और इलेक्ट्रोलाइट्स के संतुलन को बनाए रखने में मदद करते हैं। इसलिए गर्मी में रोज कच्ची प्याज खाने से हीट स्ट्रोक और लू लगने का खतरा कम होता है।

सवालः क्या डायबिटिक लोग भी प्याज खा सकते हैं?

जवाबः डायबिटिक लोगों के लिए गर्मी का मौसम चुनौतीपूर्ण होता है क्योंकि खानपान में बदलाव और अधिक गर्मी के कारण उनके ब्लड शुगर लेवल में उतार-चढ़ाव होता है।

ऐसे में प्याज ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल करने में मदद करती है। इसमें मौजूद क्रोमियम कंपाउंड इंसुलिन सेंसिटिविटी को बेहतर बनाती है, जिससे ब्लड शुगर लेवल कंट्रोल में रहता है।

सवालः क्या प्याज खाने से हार्ट हेल्थ सुधरती है?

जवाबः प्याज में मौजूद पोटेशियम व सल्फर कोलेस्ट्रॉल और ब्लड प्रेशर को कंट्रोल रखने में मदद करते हैं। इससे हार्ट डिजीज का खतरा कम होता है।

इसमें मौजूद कई अन्य फाइटोकेमिकल्स ब्लड वेसल्स की सूजन कम करके ब्लड फ्लो को बेहतर बनाते हैं। इससे हार्ट हेल्थ दुरुस्त होती है।

सवालः क्या प्याज वजन घटाने में भी मददगार है?

जवाबः प्याज में कैलोरी कम और फाइबर की मात्रा ज्यादा होती है। फाइबर पेट को लंबे समय तक भरा हुआ महसूस कराता है। इससे भूख कम लगती है।

प्याज में कुछ ऐसे कंपाउंड्स होते हैं, जो मेटाबॉलिज्म को बेहतर बनाने में मदद करते हैं। इससे शरीर अधिक कैलोरी बर्न करता है, जो वजन घटाने में मददगार है।

प्रदेश को मिला पहला नागरिक हवाई अड्डा: वन्दना पोपली

■ डॉ. वंदना पोपली ने हिसार रैली में प्रधानमंत्री मोदी का किया अभिनंदन

एसबी ब्यूरो प्रमुख/विजय गर्ग

रेवाड़ी। भारतीय जनता पार्टी रेवाड़ी की जिलाध्यक्ष डॉ. वन्दना पोपली ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा रेवाड़ी बायपास का लोकार्पण करने व हिसार में नवनिर्मित महाराजा अग्रसेन हवाई अड्डे का शुभारंभ करने पर खुशी जताते हुए बताया कि प्रधानमंत्री मोदी ने प्रदेशवासियो के सपनो को पंख लगाने का काम किया है। इस रेवाड़ी बाईपास की परिकल्पना यहां के क्षेत्रीय सांसद व केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह ने 9 वर्ष पूर्व की थी।

मोदी जी ने गत दिवस हरियाणा के हिसार व यमुनानगर जिले से प्रदेश को दस हजार करोड़ की परियोजनाओं की सौगात दी। जो कि विकसित हरियाणा बनने के लिए मील का पत्थर साबित होंगी। नरेंद्र मोदी ने कलम से क्रांति के नायक बाबा भीमराव अंबेडकर की 135वी जयंती पर चार बड़े प्रोजेक्ट का उदघाटन व शिलान्यास कर प्रदेश को बहुत बड़ी सौगात दी। जिसमे यमुनानगर नगर में 8469 करोड़ की लागत से तैयार होने वाली दीनबन्धु छोटूराम थर्मल पावर प्लांट की 800 मेगा वाट की इकाई भी शामिल हैं।

डॉ. पोपली ने बताया कि 2014 से पहले देश मे मात्र 74 एयरपोर्ट थे जिनकी संख्या नरेंद्र मोदी के 10 साल के शासनकाल मे बढ़कर 150 से भी ऊपर हो गयी है। जहां पर अच्छे रेलवे स्टेशन का भी अभाव था वहां पर मोदी सरकार ने एयरपोर्ट देने का काम किया है। जिससे प्रतिवर्ष हवाई यात्रा करने वालो का रिकॉर्ड कायम हो रहा है। मोदी जी 2047 तक विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने मे लगे हैं। साथ-साथ 11 साल में तकरीबन 25 बार प्रधानमंत्री जी का हरियाणा में आगमन इस बात का संदेश दे रहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हरियाणा को विकसित हरियाणा बनाने में लगे हैं।

कांग्रेस पार्टी के शासनकाल में हरियाणा घूस और लूट का अड्डा बना हुआ था आज हरियाणा में आम जन को अपने बच्चों की नोकरी के न तो जमीन बेचनी पड़ती है और न ही पर्ची खर्ची चलती है। मुख्यमंत्री नायब सैनी ने शपथ लेने से पूर्व तकरीबन 26000 युवाओ को उनकी योग्यता के आधार पर नोकरी दे कर साबित कर जता दिया कि मुख्यमंत्री नायब सैनी भी हरियाणा को विकसित हरियाणा बनाने की दिशा मे कार्य कर रहे हैं।

जिला स्तरीय स्कूल सौंदर्यकरण प्रतियोगिता का परिणाम हुआ घोषित

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

कैथल। एडीसी दीपक बाबू लाल करवा ने बताया कि जिला स्तरीय स्कूल सौंदर्यकरण प्रतियोगिता का परिणाम घोषित किया गया। वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के अंतर्गत गुहला खंड का राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय महमदपुर तथा पूंडरी खंड के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय करोड़ा, उच्च विद्यालय में पूंडरी खंड के राजकीय उच्च विद्यालय मुन्नारेहड़ी, माध्यमिक विद्यालय में कैथल खंड के राजकीय माध्यमिक विद्यालय फ्रांसवाला, प्राथमिक विद्यालय में पूंडरी खंड के राजकीय कन्या प्राथमिक विद्यालय रसीना शामिल हुए।

एडीसी कैथल दीपक बाबू लाल करवा।

एडीसी ने बताया कि सबसे पहले खंड स्तर पर स्कूल सौंदर्यकरण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। इसमें जिला के 22 स्कूल चयनित हुए थे। इसके बाद खण्ड स्तर पर चयनित हुए स्कूलों को जिला स्तरीय कमेटी द्वारा निरीक्षण किया गया। इस कमेटी में अतिरिक्त उपायुक्त अध्यक्ष व जिला वन अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग की कार्यक्रम अधिकारी, जिला शिक्षा अधिकारी सदस्य के रूप में शामिल थे। निरीक्षण के दौरान स्कूल में सफाई व्यवस्था, शौचालय की सफाई, मिड डे मील, रिकार्ड व्यवस्थित आदि आंकलन किया गया।

सांसद एवं विधायक को किया गया सम्मानित

एसबी संवाददाता

अकबरनगर। नगर पंचायत अकबरनगर अध्यक्ष किरण देवी ने अपने आवास पर बांका सांसद गिरधारी यादव एवं सुल्तानगंज विधायक ललित नारायण मंडल को अंगवस्त्र दे कर सम्मानित किए। इस दौरान नगर पंचायत क्षेत्र के चौमुखी विकासको लेकर अनेक मुद्दों पर चर्चा हुई। नगर पंचायत अध्यक्ष किरण देवी ने सांसद एवं विधायक को गंगा नदी के ऊपर पुल निर्माण एवं नगर पंचायत अकबरनगर अंतर्गत हॉस्पिटल निर्माण के ऊपर विशेष ध्यान देने का आग्रह किए। इस दौरान अध्यक्ष प्रतिनिधि अंजीत कुमार, वार्ड पार्षद पिंटू कुमार, कन्हैया कुमार, पार्षद प्रतिनिधि संतोष कुमार, पिंकू कुमार सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

विधायक और मेयर ने ली निगम के इंजीनियरिंग विंग की बैठक

■ शहर में होने वाले आगामी विकास कार्यों को लेकर की समीक्षा

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। करनाल के विधायक जगमोहन आनंद और मेयर रेनू बाला गुप्ता ने मंगलवार को करनाल नगर निगम के इंजीनियरिंग विंग की स्थानीय पीडब्ल्यूडी विश्राम गृह में बैठक ली। इस दौरान उन्होंने शहर में होने वाले विकास कार्यों पर चर्चा की और अधिकारियों से रिपोर्ट मांगी।

बैठक के उपरांत विधायक जगमोहन आनंद ने कहा कि अब प्रदेश में ट्रिपल इंजन की सरकार कार्य कर रही है। ऐसे में अधिकारी काम के प्रति सजग हो जाएं। आज की बैठक में नगर निगम के इंजीनियरिंग विंग के अधिकारियों से शहर में निगम के अंतर्गत चल रहे विकास कार्यों की रिपोर्ट ली गई और आगामी विकास कार्यों की भी समीक्षा की गई। बैठक में मौजूद एक्सईएन विकास कार्यों की डीपीआर लेकर पहुंचे। विधायक जगमोहन आनंद व मेयर रेनू बाला गुप्ता ने डीपीआर चैक की और आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इसमें शहर के विभिन्न पार्कों, गलियों से जुड़े विकास कार्य प्रमुख रहे।

विधायक जगमोहन आनंद ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और करनाल के लोकसभा सांसद व केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल के नेतृत्व में तेज गति से विकास कार्य हो रहे हैं। उनकी सरकार ने पहले भी बिना भेदभाव के विकास कार्य करवाए हैं और आगे भी तेज गति से बिना किसी भेदभाव के विकास कार्य होंगे। शहरवासियों की जो भी वाजिब मांग है, उसे प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाएगा। इसके अतिरिक्त अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए गए हैं कि जनता के कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करें, जो अधिकारी लापरवाही बरतेंगे, उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

करनाल की मेयर रेनू बाला गुप्ता ने कहा कि उन्होंने पदभार संभालते ही अधिकारियों को निर्देश दे दिए हैं कि जनता की कतई अनदेखी न की जाए। नगर निगम करनाल के जो भी कार्य, आमजन से जुड़े है, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाए। इसके साथ-साथ जो रूटीन के कार्य हैं, उन्हें भी पारदर्शिता के साथ पूरा किया जाए, ताकि आम लोगों को किसी तरह की परेशानी न आए। उन्होंने कहा कि उनका फोकस नगर निगम से जुड़ी मूलभूत सुविधाओं के साथ-साथ शहर के सौंदर्यकरण पर फोकस करना भी है।

इस बैठक में बीजेपी के पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष बृज भूषण गुप्ता, नगर निगम करनाल के एक्सईएन व अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

विधायक योगेंद्र राणा की बदौलत प्रधानमंत्री के स्वागत करने का असंन्ध को मिला अवसर: सुनीता अरडाना

संजना भारती संवाददाता

असन्ध। यमुनानगर दौरे पर पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्वागत करने के लिए नगर पालिका असंध कि चेयरमैन सुनीता अरडाना को प्रधानमंत्री के स्वागत का अवसर मिला। इससे नगर वासियों व नगर पार्षदों में खुशी का माहौल व्याप्त है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्वागत करते नपा चेयरमैन सुनीता अरडाना।

नगर पालिका के वॉइस चेयरमैन राजेन्द्र ढींगड़ा, पूर्व चेयरमैन दीपक छाबड़ा, मंडल अध्यक्ष हिमांशु छाबड़ा पूर्व अध्यक्ष राम अवतार जिंदल ने प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि नपा चुनावों में विधायक योगेंद्र राणा व कार्यकर्ताओं की कड़ी मेहनत से नपा चेयरमैन सुनीता अरडाना को जीत मिली। इस अवसर पर नपा चेयरमैन सुनीता अरडाना ने कहा कि प्रधानमंत्री के स्वागत के लिए असंन्ध क्षेत्र को नेतृत्व मिला। उन्होंने कहा कि ये सब विधायक योगेंद्र राणा के प्रयासों से सम्भव हो पाया है। इस अवसर अमरजीत छाबड़ा, पार्षद प्रतिनिधि विजय गर्ग, सीमांत शर्मा, पार्षद प्रतिनिधि चैन सिंह सहित अन्य उपस्थित रहे।

जीवन चानन महाविद्यालय में राज्य स्तरीय निबंध लेखन प्रतियोगिता का किया आयोजन

एसबी ब्यूरो प्रमुख/विजय गर्ग

असन्ध। जीवन चानन स्नातकोत्तर महिला महाविद्यालय में कंप्यूटर साइंस विभाग के द्वारा राज्य स्तरीय निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें पांच जिलों के महाविद्यालयों ने भाग लिया। जिसमें करनाल, पानीपत, अंबाला कैथल और जींद के सभी कॉलेजों ने इस प्रतियोगिता में भाग लिया। इस प्रतियोगिता का विषय शिक्षा पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के प्रभाव रहा। यह प्रतियोगिता कंप्यूटर साइंस विभागाध्यक्ष आशा बत्रा की देखरेख में करवाई गई। महाविद्यालय की प्राचार्या डॉक्टर रेखा शर्मा के निर्देशन में यह कार्यक्रम करवाया गया। इस प्रतियोगिता में एस.डी कॉलेज पानीपत से खुशी ने प्रथम स्थान, खालसा कॉलेज करनाल से अंकित ने द्वितीय स्थान और जीवन चानन महिला महाविद्यालय असंध से रिशु ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

इस प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल की भूमिका में आशा बत्रा डॉ. नीतू सेठी, रजनी बजाज और सोनिया दूहन रहे। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में प्रियंका पाहवा, सोनिया छाबड़ा, डॉ. हेमलता शर्मा, किरण व मीनाक्षी का विशेष योगदान रहा।

मुख्य सचिव की अध्यक्षता में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए विभिन्न विभागों की समीक्षात्मक बैठक आयोजित

एसबी ब्यूरो प्रमुख/मृगांक शेखर सिंह

जमुई। बिहार सरकार के मुख्य सचिव अमृतलाल मीणा भा.प्र.से. की अध्यक्षता में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए विभिन्न विभागों के द्वारा संचालित राज्य लोक कल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की समीक्षात्मक बैठक की तथा वांछित दिशा निर्देश देते हुए कहा कि विभागीय कार्यों में तेजी लाएं और जनहित कार्य किया जाए।

आयोजित वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के द्वारा समीक्षा बैठक में जिला पदाधिकारी अभिलाषा शर्मा भा.प्र.से. ने समाहरणालय परिसर अवस्थित कार्यालय प्रकोष्ठ से अपर समाहर्ता जमुई सुभाष चंद्र मंडल, जिला पंचायती राज पदाधिकारी जमुई वीरेंद्र कुमार के साथ-साथ विभिन्न विभागों के कार्यालय प्रधान उपस्थित थे। तथा मुख्य सचिव द्वारा देय निर्देशों को आत्मसात किया। विदित हो कि मुख्य सचिव बिहार के द्वारा महीने के प्रत्येक मंगलवार को पूर्व से निर्धारित विभागों की समीक्षात्मक बैठक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शुरूआत की गई है।

बैठक में ग्रामीण कार्य विभाग, पथ निर्माण विभाग, योजना एवं विकास विभाग, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग, ऊर्जा विभाग, श्रम विभाग, उद्योग विभाग, पर्यटन विभाग, भवन निर्माण विभाग तथा आवास एवं नगर विकास विभाग समेत कई विभाग के कार्यों की समीक्षा मुख्य सचिव के द्वारा की गई तथा प्रगति प्रतिवेदन का अवलोकन किया गया। बैठक में जिलाधिकारी महोदया ने जिले में उक्त विभागों के द्वारा किए जा रहे कार्यों की विस्तार से जानकारी दी। साथ ही उन्होंने समीक्षोपरांत विभिन्न विभागों तथा सम्बंधित अधिकारियों को समय-सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण ढंग से कार्यों को पूरा किए जाने का निर्देश देते हुए कहा कि दायित्वों के निर्वहन में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को अपने कार्यों के प्रति जिम्मेदार और पारदर्शी रहने का निर्देश दिया। तथा विभागीय पदाधिकारियों को आपसी समन्वय बनाकर कार्य करने का निर्देश दिया। उन्होंने सरकार के कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता के आधार पर गति दिए जाने का निर्देश सभी सम्बन्धित पदाधिकारियों को देते हुए कहा कि किसी भी सूरत मे अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में विभिन्न विभागों के कार्यालय प्रधान उपस्थित थे।

जिला सचिवालय, कोर्ट परिसर व रेलवे स्टेशन पर साइबर हेल्पडेस्क लगाकर आमजन को किया जागरूक

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

कैथल। पुलिस विभाग द्वारा 10 दिन तक जिला कैथल में विभिन्न स्थानों पर साइबर हेल्पडेस्क लगाकर आमजन को साइबर अपराधों बारे जागरूक करने सहित साइबर संबंधी शिकायतों को सुना जाएगा। इसी कड़ी के तहत मंगलवार को राजेश कालिया के कुशल मार्गदर्शन में जिला सचिवालय, कोर्ट परिसर, कबुतर चौकी व रेलवे स्टेशन कैथल पर साइबर हेल्पडेस्क लगाए गए।

साइबर अपराधों बारे आमजन को जागरूक करती कैथल पुलिस टीम। (छाया: एसबी)

पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि साइबर जागरूकता कार्यक्रम के साइबर थाना प्रभारी पीएसआई शुभ्रांशु, एएसआई विनोद कुमार, एएसआई जसबीर सिंह व एचसी सतीश कुमार की टीम द्वारा साइबर अपराधों से बचने की विशेष जानकारी दी गई। जिसमें उन्होंने बताया कि किसी भी अनजान व्यक्ति द्वारा सोशल मीडिया या साईट पर दी गई जानकारी को पूर्ण न समझे। साइबर अपराधी आपको पैसे कमाने का, पैसे डबल करने का या अन्य तरीके का प्रलोभन देकर आपकी निजी जानकारी हासिल करते है। जिसके बाद फोन पर ओटीपी भेजकर या अन्य तरीके से आपके खाते को खाली कर देते है। साइबर ठग आपको फोन पर कुछ मिनटों में लाखों रुपए का लोन सस्ती दरो पर देने का दावा करते है और आपकी जानकारी हासिल कर आपके खाते से रकम को अपने खाते में ट्रांसफर कर लेते है। साइबर अपराधी स्मार्ट फोन से मोबाइल ऐप, इंटरनेट बैंकिंग व अन्य तरीको से लोगों के साथ धोखाधड़ी कर पैसे हड़प रहे है जिससे पीड़ित व्यक्ति को आर्थिक हानि के साथ 2 कई प्रकार की समस्याओं का सामना करना पडता है। कोई भी व्यक्ति आपको किसी भी तरह का लॉटरी, इनाम या अन्य चीजें जीतने का प्रलोभन देता है तो आपको समझना चाहिए की जालसाज आपके खाते से पैसे हड़पना चाहता है।

साइबर अपराधियों के इन सब तरीके के बारे मे अपने परिवार को अवगत कराये व उनको साइबर अपराध बारे जागरूक करे। अगर आपके साथ किसी भी प्रकार की ऑनलाइन ठगी हो जाती है तो जितनी जल्दी हो सके तुरंत नेशनल साइबर कंप्लेंट पोर्टल नंबर 1930 पर कॉल करें करके शिकायत दर्ज करवाये।

मनाई गई बाबा साहब डॉ. भीमराव की जयंती

एसबी ब्यूरो

बछवाड़ा (बेगूसराय)। बछवाड़ा विधानसभा क्षेत्र के रसीदपुर चकदिलार के वार्ड संख्या 04 के महादलित टोला में डॉ.भीमराव अंबेडकर जयंती समारोह धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में समाजसेवी सह बछवाड़ा विधानसभा क्षेत्र से भावी विधायक प्रत्याशी अशोक कुमार चौधरी थे। उनके तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर उनके बताए रास्ते पर चलने का संकल्प लिया। वहीं बच्चों के बीच अशोक कुमार चौधरी के द्वारा मिठाई खिलाकर खुशियां जताई गई। मौके पर गोपाल पोद्दार, अमरेश राय, मो. अकबर, कंचन कुमार रजक, प्रमोद शर्मा, विकास पोद्दार, रवि कुमार, विरेन्द्र चौधरी, मो. बारिक, कपेनदर केवट, सोनी कुमारी, सुमन कुमार चौधरी सहित अन्य लोग मौजूद थे।

घटते लिंगानुपात स्तर में सुधार के लिए आमजन को किया जाएगा जागरूक: डॉ. जयपाल चहल

एसबी ब्यूरो प्रमुख/विजय गर्ग

असंध। असंध में उपमंडल नागरिक हस्पताल में मंगलवार को सिनियर मेडिकल ऑफिसर असन्ध डॉ. जयपाल चहल ने क्षेत्र में घटते लिंगानुपात को मध्यनजर रखते हुए असन्ध में आने वाले सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र व स्वास्थ्य केन्द्र पर कार्यरत सभी एम.पी.एच.डब्लु. मेल व फिमेल और सभी सुपरवाईजर की मिटिंग की गई। सिनियर मेडिकल ऑफिसर असन्ध डॉ. जयपाल चहल द्वारा बताया कि जिन गांवों का लिंगानुपात कम है उन गांवों के सरपचं व पचों के गांवों मे जाकर मेडिकल अधिकारी द्वारा मिटिंग करवाई जाएगी और ग्रामवासियों को घटते लिंगानुपात के बारे मे जागरुक किया जाएगा। इसके अतिरिक्त उन्होंने बताया कि सभी संबंधित कर्मचारी अपने-अपने गांवों में घटते लिगंनुपात के बारे में आमजन से मिटिंग करेगें व लोगो को जागरुक करेगें। इसके अलावा नगरपालिका असन्ध के सभी एम.सी. व चेयरमेन के साथ भी सिनियर मेडिकल ऑफिसर असन्ध डॉ. जयपाल चहल मिटिंग करेगें तथा आमजन को घटते लिंगानुपात के बारे में जागरूक करेंगे। उन्होंने बताया कि हम सभी को मिलकर घटते लिंगानुपात स्तर में सुधार करना है। इसके अलावा उन्होंने सभी को मलेरिया व डेगुं के बारे में भी जानकारी दी।

राजौंद के शहीद सीयाराम राजकीय माडल संस्कृति सी सै स्कूल में नए सत्र की कक्षाएं शुरू

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

राजौंद। जिला कैथल के खंड राजौंद के शहीद सीयाराम राजकीय माडल संस्कृति सी सै स्कूल की आलीशान इमारत में नए सत्र की कक्षाएं शुरू हो चुकी है। स्कूल की पुरानी इमारत में कमरे कम होने के कारण स्कूल को मजबूरन दो शिफ्ट में चलाता जा रहा था। अब नयी इमारत में कमरे प्रयाप्त है। इसलिए स्कूल की कक्षाएं एक शिफ्ट में शुरू हो चुकी है। अबकी बार स्कूल में विद्यार्थियों की संख्या में इजाफा होनी की उम्मीद है। राजौंद नगर को नये सरकारी स्कूल भवन की सौगात देने पर नागरिकों, समाजसेवियों ने मुख्यमंत्री हरियाणा नायब सिंह सैनी, सांसद कुरुक्षेत्र नवीन जिंदल, शिक्षामंत्री हरियाणा, शिक्षा विभाग हरियाणा का धन्यवाद किया है।

नागरिकों ने कहा कि जिला शिक्षा अधिकारी कैथल, खंड शिक्षा अधिकारी राजौंद बलबीर सिंह कश्यप के दिशा-निर्देश में खंड राजौंद के सरकारी स्कूल प्रगति की ओर अग्रसर है। नागरिकों ने स्कूल प्रिंसिपल से अनुरोध किया है कि स्कूल परिसर सफाई की ओर ध्यान दिया जाए। बताया गया कि नवनिर्मित दिवार के आसपास बिल्डिंग अवशेष के ढेर लगे हुए है। जो करोड़ों रूपए से नव निर्मित सरकारी स्कूल की इमारत की सुन्दरता को ग्रहण लगा रहे है। नागरिकों ने बताया कि स्कूल प्रिंसिपल विजेंद्र कुमार को सफाई व्यवस्था की ओर ध्यान देना चाहिए।

ब्लाक शिक्षा अधिकारी बलबीर सिंह कश्यप से बात की गई तो उन्होंने कहा कि स्कूल की दीवार नपा राजौंद द्वारा बनाई गई है। उन्होंने कहा कि स्कूल प्रिंसिपल व नपा जेई से बात कर सफाई करवाई जाएगी।

धर्मवीर पाढ़ा बने इनेलो के राष्ट्रीय सचिव

एसबी ब्यूरो प्रमुख/विजय गर्ग

असन्ध। इनेलो ने राष्ट्रीय कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए धर्मवीर पाढ़ा को राष्ट्रीय सचिव नियुक्त किया। धर्मवीर पाढ़ा ने अपनी नियुक्ति पर इनेलो के राष्ट्रीय अध्यक्ष अभय सिंह चौटाला व प्रदेशाध्यक्ष रामपाल माजरा का आभार व्यक्त किया। पाढ़ा ने कहा कि पार्टी ने जो जिम्मेदारी सौंपी है उसे वे बखूबी से निभाएंगे और पार्टी संगठन को मजबूत करने का काम करेगें। उन्होंने कहा कि इनेलो एक ऐसी पार्टी है जिसमें कार्यकर्ताओं को पूरा मान-सम्मान मिलता है। इनेलो ने हमेशा गरीब, किसान, मजदूर, दलित व पिछड़ा वर्ग की आवाज को उठाने का काम किया। पाढ़ा ने कहा कि पार्टी कि नीतियों को लेकर क्षेत्र के गांव-गांव मे जाकर लोगों को जागरूक किया जाएगा और अधिक से अधिक लोगों को पार्टी के साथ जोड़ा जाएगा।

झंडा हमारी विचारधारा का आईना और वैचारिक हथियार होता है: अमिता भूषण

एसबी ब्यूरो

बेगूसराय नगर। प्रदेश में चुनावी आहट के बीच कांग्रेस पार्टी की सक्रियता, उत्साह और आत्मविश्वास उफान पर है। विभिन्न कार्यक्रमों और संवाद के माध्यम से तैयारी में जुटी कांग्रेस के इस उत्साह को महसूस किया जा सकता है।

इस कड़ी में प्रदेश और राष्ट्रीय नेतृत्व के निर्देश पर कांग्रेस पार्टी हर घर झंडा अभियान चला रही है। बेगूसराय जिले में भी इस कार्यक्रम को जोर शोर से चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत बेगूसराय विधानसभा क्षेत्र के सदर प्रखंड अंतर्गत रजौरा और जिनेदपुर पंचायत में प्रखंड अध्यक्ष विजय सिंह के नेतृत्व में दर्जनों धरों पर कांग्रेस पार्टी का झंडा लगाया।

कार्यक्रम में सदर की पूर्व विधायक अमिता भूषण स्वयं भी मौजूद रही और कार्यकर्ताओं के घर-घर जाकर कांग्रेस का झंडा लगाया। बातचीत के दौरान श्रीमती भूषण नें कहा कि झंडा हमारी विचारधारा का आईना और एक राजनैतिक कार्यकर्ता का वैचारिक हथियार होता है। शीर्ष नेतृत्व का हर घर कांग्रेस का झंडा अभियान सांगठनिक नजरिये से अब तक के श्रेष्ठतम निर्णयों में से एक है। इस अभियान को हम कांग्रेस कार्यकर्ताओ ने अभिमान और गौरव के रूप में लिया है। हम हर घर सिर्फ झंडा ही नही लगा रहे बल्कि कांग्रेस के समदर्शों विचार को हर घर स्थापित कर रहे हैं। इस झंडा अभियान के प्रति कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह है।

इस दौरान प्रखंड अध्यक्ष विजय सिंह, किसान कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष श्रीकांत राय, सेवादल के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष रामानंद सिंह, बलबन्त राय, चुनचुन राय, भासो सिंह, नीरज कुमार ताँती, मुकेश तांती, डॉ अजीत कुमार, सुरेंद्र महतो, कुमार रत्नेश टुल्लू, प्रभांशु कुमार बिटटू, शिवम कुमार सहित दर्जनों कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद थे।